R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 173 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार, 02 जून 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

जनरल सुब्रमणि ने देश के नए सीडीएस का संभाला पदभार

पाकिस्तान-चीन मामलों के एक्सपर्ट हैं, गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने रविवार को पदभार संभाल लिया। दिल्ली में उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन्स में गार्ड ऑफ ऑनर दिया

- असली टास्क सेना में थिएटर कमांड मॉडल को लागू करना होगा

गया। वे देश के तीसरे सीडीएस है। उन्होंने जनरल अनिल चौहान की जगह ली है। जनरल चौहान शनिवार को रिटायर हुए थे। पदभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना, रक्षा मंत्रालय और सभी संबंधित संस्थान देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एकजुट हैं। उन्होंने कहा, भारतीय सेना में स्वदेशी हथियारों और सैन्य उपकरणों के अपडेशन, उनकी खरीद और इस्तेमाल को तेज किया जाएगा। सेना की ताकत बढ़ाने के लिए नई सोच और नए तरीकों को अपनाया जाएगा। नए सीडीएस सुब्रमणि के सामने पहला टास्क सेना में थिएटर कमांड मॉडल को लागू करने को होगा। दरअसल एक दिन पहले सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने थिएटर कमांड व्यवस्था पर बोलते हुए कहा था कि यह प्रक्रिया आगे बढ़ रही है।

तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय बनाना महत्वपूर्ण

थिएटर कमांड व्यवस्था में किसी क्षेत्र या मिशन के लिए एक ही कमांडर होगा। इसके सेना की तीनों यूनिट्स एक साथ काम करेंगी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ देश की तीनों सेना यानी आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के बीच तालमेल बनाने वाला सबसे सीनियर मिलिट्री ऑफीसर होता है। यह फोर-स्टार रैंक का पद है। सीडीएस, चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी का स्थायी चेयरमैन और रक्षा मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स का प्रमुख भी होता है। इस पद का मकसद तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय बनाना, संयुक्त सैन्य रणनीति तैयार करना और रक्षा मामलों में फैसले लेने की प्रक्रिया को तेज करना है। दिसंबर 2019 में यह पद बनाया गया था। बिपिन रावत देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ थे। सीडीएस सरकार और रक्षा मंत्रालय को सैन्य मामलों में सलाह देता है। वह सैन्य खरीद, लॉजिस्टिक्स, संयुक्त ऑपरेशन, साइबर और स्पेस से जुड़े समन्वय पर भी काम करता है। न्यूक्लियर कमांड अथॉरिटी में भी सीडीएस की अहम भूमिका होती है। पहले सीडीएस बिपिन रावत जनवरी 2020 में बने थे।

गोमाता के सम्मान पर समझौता नहीं, सख्त कार्रवाई होगी : योगी आदित्यनाथ

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिजनौर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान गोहत्या, कानून-व्यवस्था और विस्थापित परिवारों के अधिकारों जैसे मुद्दों पर अपनी सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि गोमाता के सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि गोमाता के प्रति अनादर करने वालों के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी और ऐसी गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में हाल ही में गाजियाबाद में सामने आए एक मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि दोस्ती की आड़ में विश्वासघात और समाज में वैमनस्य फैलाने की कोशिशों को स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार कानून के शासन में विश्वास करती है और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

गोमाता के मुद्दे पर बोलते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गाय को केवल एक पशु नहीं, बल्कि माता का दर्जा दिया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ धार्मिक नेताओं द्वारा गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की जा रही है, लेकिन भारतीय परंपरा में गाय का स्थान उससे कहीं अधिक सम्मानजनक है। उन्होंने कहा कि माता और पुत्र के रिश्ते को किसी सरकारी घोषणा की आवश्यकता नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय समाज में मां और गाय दोनों के प्रति समान श्रद्धा और सम्मान का भाव है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर गोमाता की तस्वीरों का उपयोग कर विशेष अवसरों पर संदेश प्रसारित करने वालों को भी चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे लोग अपने अनुयायियों को समझा दें कि गोमाता के साथ किसी भी प्रकार की हिमाकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने दोहराया कि प्रदेश में गोहत्या रोकने के लिए सख्त कानून लागू हैं और उनका पूरी गंभीरता से पालन कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बिजनौर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र महात्मा विदुर और महाभारत कालीन इतिहास से जुड़ी महत्वपूर्ण भूमि है। उन्होंने कहा कि इतिहास हमें सिखाता है कि जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म भी उसकी रक्षा करता है। उनके अनुसार यह भूमि आज भी समाज को नैतिक मूल्यों और सही दिशा का संदेश देती है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान से विस्थापित होकर भारत आए 1,645 हिंदू और सिख परिवारों को भूमिधरी अधिकार पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि वर्ष 1946, 1947 और 1948 में धार्मिक कट्टरता और उत्पीड़न के कारण इन परिवारों को अपनी पैतृक जमीन-जायदाद छोड़कर भारत आना पड़ा था। उन्होंने कहा कि दशकों बाद इन परिवारों की चौथी पीढ़ी को न्याय दिलाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि हजारों लोगों को मालिकाना हक से जुड़े दस्तावेज सौंपे गए हैं और बाकी पात्र मामलों का निस्तारण भी किया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में वक्फ संपत्तियों और विस्थापितों के अधिकारों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न झेलने वाले लोगों के समर्थन में कुछ वर्गों की ओर से कभी आवाज नहीं उठाई गई। उन्होंने कहा कि यदि विस्थापित परिवारों के अधिकारों और पुनर्वास के समर्थन में व्यापक पहल होती तो समाज में संवेदनशीलता और समरसता का बेहतर संदेश जाता। मुख्यमंत्री ने बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदू समुदाय की घटती आबादी तथा अल्पसंख्यकों पर होने वाले अत्याचारों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन विषयों पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए और भारत विरोधी गतिविधियों के प्रति कठोर रुख अपनाना आवश्यक है। उन्होंने देश की सुरक्षा में लगे जवानों और सुरक्षा बलों की सराहना करते हुए कहा कि वे देश के दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देने का काम कर रहे हैं।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हमले में पांच लोग गिरफ्तार

- ममता बनर्जी बोलीं-हेलमेट नहीं होता तो जान चली जाती
- कहा-भाजपा नेताओं-अफसरों ने डिस्चार्ज का दबाव बनाया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारी वीडियो फुटेज के आधार पर रातभर चली छापेमारी के बाद हुई।

ममता के 2 आरोप; बोलीं- अब घर पर इलाज

भाजपा नेताओं और दक्षिण कोलकाता के डीसीपी की ओर से डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन को धमकी भरे फोन आ रहे थे। अगर अभिषेक की हालत गंभीर नहीं थी तो उन्हें इंटेसिव थैरेपी यूनिट (आईटीयू) में क्यों रखा गया। फिर अचानक उन्हें अस्पताल से छुट्टी क्यों दी गई।

ममता बनर्जी ने हमले को साजिश बताते हुए कहा कि अगर अभिषेक ने हेलमेट नहीं पहना होता तो उनकी जान जा सकती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल में भर्ती अभिषेक को जल्द डिस्चार्ज कराने के लिए भाजपा नेताओं और पुलिस ने दबाव बनाया। अभिषेक पर शनिवार को दक्षिण सोनारपुर में हमला हुआ था, जहां वे चुनाव बाद हिंसा के पीड़ित कार्यकर्ताओं से मिलने गए थे। हमले के बाद अभिषेक को पहले अपोलो अस्पताल ले जाया गया। ममता भी उनसे मिलने पहुंचीं थी। अपोलो में डॉक्टरों ने अभिषेक को घर पर आराम की सलाह दी।

ट्विशा केस

सीबीआई के तीखे सवालों से घबराई पूर्व जज गिरिबाला सिंह

- एंग्जाइटी-घबराहट की शिकायत की, सीबीआई ने डाला घेरा

भोपाल (एजेंसी)। एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले की जांच कर रही सीबीआई ने पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह से पूछताछ के दौरान कई अहम बिंदुओं पर जवाब मांगे हैं। जांच का मुख्य फोकस कथित क्राइम सीन से छेड़छाड़, सीसीटीवी फुटेज और डिजिटल सबूतों को सुरक्षित से जुड़े पहलुओं पर है। सूत्रों के अनुसार सीबीआई की हिरासत में गिरिबाला सिंह ने एंग्जायटी और घबराहट की शिकायत की है। बताया जा रहा है कि वह लगातार बेचैनी की बात कहकर पूछताछ से बचने का प्रयास कर रही हैं। हालांकि, सीबीआई की ओर से एक महिला डीएसपी उनसे लगातार पूछताछ कर रही हैं।

जापानी मॉडल से बुजुर्गों को संभालेगा केरलम

- इमारतें व्हीलचेयर अनुकूल बनेंगी 'स्किल बैंक' से युवाओं को जोड़ेंगे

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। देश में सबसे तेजी से बुजुर्ग होती आबादी वाले राज्यों में शामिल केरलम ने अब इस चुनौती से निपटने के लिए जापान का मॉडल अपनाने की तैयारी कर ली है। नई राज्य सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए देश का पहला समर्पित विभाग और वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाने की घोषणा की है।

'भारत में बुजुर्ग' रिपोर्ट 2021 के अनुसार केरलम में 2011 में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी 12.5त्र थी, जो अब 16.5 से 18.7 फीसदी पहुंच चुकी है। 2031 तक बुजुर्गों की संख्या कुल आबादी की 20.9 फीसदी तक पहुंचने के आसार हैं; जबकि भारत का यह 13.1 फीसदी होगी। यही नहीं, 2051 तक राज्य की एक-तिहाई आबादी बुजुर्ग होने का अनुमान है। पहले से योजनाएं चल रही हैं, लेकिन ये प्रयास बिखरे हुए हैं। केरलम में महिलाएं ज्यादा जीती हैं।

बंगाल में बॉर्डर पर फेंसिंग लगाने पहुंची बीएसएफ

- स्थानीय लोगों ने जताई खुशी बोले-अब चैन से सो सकेंगे

कहा-अब हम भी अराजक बांग्लादेशियों को दे रहे चुनौती

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल बॉर्डर का 600 किलोमीटर का एक हिस्सा ऐसा है, जहां बांग्लादेश के साथ सीमा पूरी तरह खुली है। कोई फेंसिंग नहीं है। यहां बीते दिनों जब बीएसएफ की टीम बॉर्डर नापने के लिए पहुंची तो गांव वालों ने मिठाइयां बांटी। यह इलाका है मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार में जीरो लाइन पर बसा सकारपाड़ा गांव। 4 हजार की आबादी और 2500 मतदाता। इनमें 95 फीसदी लोग खेती पर निर्भर हैं। गांव का भूगोल बेहद संवेदनशील है। घर खत्म होते ही खेत आ जाते हैं और खेत खत्म होते ही बांग्लादेश। ग्राम पंचायत सदस्य पिंटू मंडल का घर गांव में सबसे आखिर में है। परिवार के पास 30 बीघा जमीन है। स्थानीय पिंटू मंडल ने बताया कि हमें शाम 5 बजे के बाद अपने खेतों में जाने की अनुमति नहीं है, लेकिन बांग्लादेश के लोग कभी भी हमारे खेतों में घुस आते हैं और फसलें काटकर ले जाते हैं। बीते 30 साल में ऐसा कोई भी महीना नहीं बीता, जब उनसे विवाद न हुआ हो।

अब तक बीएसएफ को 27 किमी जमीन दी जा चुकी

बंगाल में नई सरकार बनने के बाद से अब तक बीएसएफ को बॉर्डर की 27 किमी जमीन दी जा चुकी है। इनमें 18 किमी में फेंसिंग होनी है और 9 किमी में बॉर्डर आउट पोस्ट विकसित करने की योजना है।

सरकार का 45 दिनों में 600 एकड़ जमीन देने का लक्ष्य

सबसे ज्यादा जमीन मुर्शिदाबाद (38.80 एकड़) में दी गई है। इसके बाद जलपाईगुड़ी (35.16 एकड़) और कूचबिहार (22.92 एकड़) का स्थान है। यह जमीन भारत-बांग्लादेश सीमा पर बार्ब्ड वायर फेंसिंग (कंटीले तार), आउटपोस्ट और सुरक्षा ढांचा बनाने के लिए दी गई है। राज्य सरकार ने कुल 600 एकड़ जमीन 45 दिनों के भीतर बीएसएफ को देने का लक्ष्य रखा है।

इंडिया गठबंधन एक बार फिर भरेगा हुंकार

- 6 जून को बड़ी बैठक, राहुल गांधी ने ममता बनर्जी से की बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के 6 जून को होने वाली इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होने की संभावना है। इसे एक बेहद महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम की तरह देखा जा रहा है। देश के बदलते राजनीतिक माहौल के बीच बनर्जी के इस अहम बैठक में शामिल हो सकने की सूचना तब सामने आई, जब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को बनर्जी से आधे घंटे से भी अधिक समय तक बातचीत की। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, चुनावी मोर्चे पर गठबंधन के कई मुख्य सहयोगियों को मिली लगातार हार के बाद विपक्षी खेमे की रणनीति निशाने पर है।

दो चरणों में लागू होगा वन नेशन वन इलेक्शन पहले 20 राज्यों के चुनाव एक साथ का है प्लान

वन नेशन, वन इलेक्शन पर सुरक्षित रास्ता तलाश रही सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार वन नेशन वन इलेक्शन के लिए सुरक्षित रास्ता तलाश रही है। इसके लिए बनी जेपीसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक समिति टू-फेज ट्रांजिशन मॉडल पर विचार कर रही है, जिससे राज्यों में बार-बार चुनाव कराने या विधानसभाओं के कार्यकाल में बहुत बड़ी कटौती करने की जरूरत न पड़े। पूरे देश को एक साथ चुनावी चक्र में लाने के बजाय दो चरणों- 2029 और 2034 में बढ़ने का विकल्प सबसे व्यावहारिक माना जा रहा है। पहले चरण में 2029 के लोकसभा चुनाव के साथ करीब 20 राज्यों के विधानसभा चुनाव कराए जा सकते हैं।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में पैनल का गठन

एक राष्ट्र-एक चुनाव पर विचार करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता में 2 सितंबर 2023 को एक पैनल का गठन किया गया था। इस पैनल ने हितधारकों-विशेषज्ञों के साथ चर्चा और 191 दिनों के शोध के बाद 14 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

संविधान में गुंजाइश है लेकिन सहमति पर जोर

लॉ कमीशन के पूर्व सदस्य और मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के लॉ कॉलेज के डीन आनंद पालीवाल ने कहा कि एक देश-एक चुनाव को चरणबद्ध तरीके से लागू करने के लिए संवैधानिक विकल्प मौजूद हैं। कुछ राज्यों में विधानसभा का कार्यकाल पूरा होने से पहले चुनाव कराए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में कार्यकाल बढ़ाने के विकल्प भी हैं। भारत में पहले भी विशेष परिस्थितियों में लोकसभा और विधानसभाओं के कार्यकाल में बदलाव किए गए हैं। हालांकि किसी भी व्यापक बदलाव के लिए संसद द्वारा आवश्यक कानूनी प्रावधान और राजनीतिक सहमति जरूरी होगी। 1952 से 1967 तक यानी चार बार लोकसभा व अधिकांश विधानसभा चुनाव साथ हुए। 1967 के बाद कई राज्यों में सरकारें गिरने लगीं।

यूपी में छात्र की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

बकरीद के दिन मारा था, भागते वक्त पुलिस ने मारी गोली

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में 11वीं के छात्र सूर्या चौहान की हत्या का मुख्य आरोपी असद (19) एनकाउंटर में मारा गया। वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। रविवार तड़के 4 बजे पुलिस ने घेरा तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में असद ढेर हो गया। पुलिस ने शनिवार को ही उस पर 50 हजार का ईनाम घोषित किया था। मुठभेड़ शहर के वसुंधरा इलाके में हुई।

डिप्टी सीएम ने कहा था- हत्यारों को बख्शेंगे नहीं

शनिवार को 10 घंटे हंगामा चला था। हिंदू संगठन सड़क पर उतर आए थे। परिजन ने सूर्या का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया था। पुलिस ने देर शाम परिवार को समझाकर अंतिम संस्कार करवाया था। डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा था- हत्यारों को बख्शा नहीं जाएगा।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

रुपये की गिरावट

यूं देश के आयात-निर्यात असंतुलन के चलते पिछले दो दशकों से रुपये के मूल्य में लगातार गिरावट देखी गई है, लेकिन हाल के कुछ महीनों में इस गिरावट में तेजी आई है। खासकर ईरान-अमेरिकी युद्ध शुरू होने के बाद इसमें छह फीसदी की चिंताजनक गिरावट आई है। जो हमारी आयात पर अत्यधिक निर्भरता को ही दर्शाता है। यद्यपि दुनिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए ऐसे मुद्रा संकट कोई नई बात नहीं है, लेकिन हालिया गिरावट हमारी चिंता बढ़ाने वाली है। दरअसल, यह गिरावट भू-राजनीतिक अस्थिरता, कच्चे तेल की कीमतों में अप्रत्याशित तेजी, वैश्विक आपूर्ति शृंखला में अनिश्चितता से मुद्रास्फीति और धीमी वैश्विक आर्थिक वृद्धि के बीच हो रही है। इन दबावों ने मिलकर एक ऐसा संवेदनशील वातावरण बनाया है, जिसमें रुपये की कमजोरी व्यापक आर्थिक व्यवधानों को जन्म दे रही है। वैसे तो बढ़ता आयात असंतुलन ही रुपये की गिरावट के मूल में है। सबसे बड़ा संकट तो कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता का है, जो करीब 88 फीसदी है। इसके अलावा खाद्य तेल, उर्वरक आदि आवश्यक वस्तुओं का आयात लगातार बढ़ा है। वहीं रुपये के डॉलर के मुकाबले लगातार गिरने से ये वस्तुएं महंगी हो गई हैं। खासकर ईंधन की बढ़ती कीमतों का असर परिवहन, मालभाड़ा वृद्धि, भोजन और घरेलू खर्चों पर पड़ा है। इसके चलते रुपये के अवमूल्यन से कंपनियां तथा देश के नीति-निर्माता भी खासे चिंतित हैं। विदेशी मुद्रा में ऋण लेने वाली भारतीय कंपनियों पर ऋण चुकाने का अतिरिक्त बोझ बढ़ रहा है।

दरअसल, इन सभी कारणों से बढ़ते व्यापार घाटे का चालू खाते के घाटे पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है। जिसके चलते शेयर बाजार में लगातार गिरावट का ट्रेंड देखा जा रहा है। वास्तव में विदेशी निवेशक अनिश्चितता के वातावरण में सुरक्षित अमेरिकी कंपनियों में निवेश बढ़ा रहे हैं। फलत: अर्थव्यवस्था में विदेशी निवेश में लगातार निकासी का रुझान देखा जा रहा है। जिसने हमारी आर्थिक चिंताओं को और बढ़ाया है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक ने इस जारी अस्थिरता को कम करने के लिये विदेशी मुद्रा भंडार के माध्यम से हस्तक्षेप किया है, लेकिन ऐसे उपाय महज गिरावट की गति को कम करने के अलावा बहुत ज्यादा कुछ नहीं कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, सोलहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने तर्क दिया है कि रुपये का स्वाभाविक रूप से अवमूल्यन करने से समय के साथ व्यापार असंतुलन को दुरुस्त करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने केंद्रीय बैंक से आग्रह किया है कि वैश्विक आपूर्ति में व्यवधान के कारण होने वाले मुद्रा के उतार-चढ़ाव से निपटने के लिये विशिष्ट विनिमय दर लक्ष्यों मसलन सौ रुपये प्रति डॉलर से आगे बढ़कर विचार करना चाहिए।

विश्व माता-पिता दिवस पर विशेष

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

ललित गर्ग

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम 'माता-पिता के लिए एक साथ' एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें। अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है।

तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं।

> श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो...

दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष 'मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः'- मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है। हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है। आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और

रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे।

सजगता से दूर होती है चिंता

संकलित
दर्शन

जब तुम चिंता का अनुभव करो, बहुत चिंताग्रस्त हो जाओ, तब इस विधि का प्रयोग करो। इसके लिए क्या करना होगा? जब साधारणतः तुम्हें चिंता घेरती है, तब तुम क्या करते हो? तुम उसका हल ढूंढ़ते हो। उसके उपाय खोजते हो। लेकिन ऐसा करके तुम और भी चिंताग्रस्त हो जाते हो। तुम उपद्रव को बढ़ा लेते हो, क्योंकि विचार से चिंता का समाधान नहीं हो सकता है। विचार के द्वारा चिंता का विसर्जन नहीं हो सकता है, क्योंकि विचार स्वयं एक तरह की चिंता है। यह विधि बहुत आसान है। यह कहती है कि चिंता के साथ कुछ मत करो। सिर्फ सजग हो जाओ। मैं तुम्हें एक दूसरे जेन गुरु बोकोजू के संबंध में एक पुरानी कहानी सुनाता हूं। वह एक गुफा में अकेले रहते थे, बिल्कुल अकेले। लेकिन दिन में या कभी-कभी रात में भी वह जोरों से कहता थे, 'बोकोजू'। यह उनका अपना नाम था। और फिर वह खुद कहते, 'हां महोदय, मैं मौजूद हूं।' जबकि वहां कोई दूसरा नहीं होता था। उनके शिष्य उससे पूछते थे, 'क्यों आप अपना ही नाम पुकारते हैं और फिर खुद कहते हैं, हां, मैं उपस्थित हूं?' बोकोजू ने कहा, 'जब भी मैं विचार में डूबने लगता हूं तो मुझे सजग होना पड़ता है। इसीलिए मैं अपना नाम पुकारता हूं। जिस क्षण मैं बोकोजू कहता हूं और कहता हूं कि हां महाशय, मैं मौजूद हूं, उसी क्षण विचारणा, चिंता विलीन हो जाती है।' फिर अपने अंतिम दिनों में, आखिरी दो-तीन वर्षों में उन्होंने कभी अपना नाम नहीं पुकारा और न ही यह कहा कि हां, मैं मौजूद हूं।

कर्म महत्वपूर्ण है

संकलित
प्रेरणा

एक निक्कमे आदमी की पत्नी ने उसे घर से निकलते हुए कहा आज कुछ न कुछ कमा कर ही लौटना नहीं तो घर में नहीं घुसने दुगीं। आदमी दिन भर इधर-उधर भटकता रहा, लेकिन उसे कुछ काम नहीं मिला। निराश मन से वह जा रहा थी कि उसकी नजर एक मरे हुए सांप पर पड़ी। उसने एक लाठी पर सांप को लटकाया और घर की और जाते हुए सोचने लगा, इसे देखकर पत्नी डर जाएगी और आगे से काम पर जाने के लिए नहीं कहेगीं। घर जाकर उसने सांप को पत्नी को दिखाते हुए कहा, ये कमाकर लाया हूं। पत्नी ने लाठी को पकड़ा और सांप को घर की छत पर फेंक दिया।वह सोचने लगी कि मेरे पति की पहली कमाई जो कि एक मरे हुए सांप के रूप में मिली, ईश्वर जरुर इसका फल हमें देगें क्योकिं मैंने सुना हैं कि कर्म का महत्व होता हैं। वह कभी व्यर्थ नहीं जाता। तभी एक बाज़ उधर से उड़ते हुए निकला जिसने चोंच में एक कीमती हार दबा रखा था। बाज़ की नजर छत पर पड़े हुए सांप पर पड़ी उसने हार को वहीं छोड़ा और सांप को लेकर उड़ गया। पत्नी ने हार को पति को दिखाते हुए सारी बात बताई। पति अब कर्म के महत्व को समझ चुका था, उसने हार को बेचकर अपना व्यवसाय शुरू किया। कल का एक गरीब इन्सान आज का सफल व्यवसायी बनकर इज्जत की जिंदगी जी रहा हैं। चलने वाला मंजिल पाता, बैठा पीछे रहता हैं, ठहरा पानी सड़ने लगता, बहता निर्मल रहता हैं। पैर मिले हैं चलने को तो, पांव पसारे मत बैठो आगे-आगे चलना हैं तो, हिम्मत हारे मत बैठो।

आलेख

डॉ. अशोक कुमार जायसवाल

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार विकसित भारत का स्वरूप

पंच–परमेश्वर आजादी के इस अमृत काल से 4000 ई. पूर्व भारत के वेदों, ग्रन्थों एवं काव्यों में है। भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण का सजीव एवं साकार स्वरूप स्वंतत्रता के पश्चात पंचायतीराज व्यवस्था दृष्टि गोचर हुआ। पंचायतीराज की परिकल्पना, स्वरूप एवं ग्रामीण विकास की अवधारणा वैदिक काल से भी पूर्व की है। वैदिक काल में तत्कालीन राजा पंचायतों के माध्यम से राज कार्य का दायित्व निर्वहन करते रहे। वैदिक काल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पंचायतों एवं ग्रामों को पुरस्कृत किया जाता रहा। बौद्ध काल में ग्राम परिषदों की स्थापना की गई, ग्राम परिषदों का कार्य ग्राम भूमि का प्रबंध, कर लगाने एवं वसुली की व्यवस्था, शांति एवं सुरक्षा स्थापित करना रहा, बौद्ध काल में सबसे अधिक कर वसूली वाले ग्रामों को प्रोत्साहन राशि से पुरस्कृत किया जाता रहा है। मौर्य काल में पंचायतें प्रशासन का का प्रमुख अंग हो गया तथा पंचायतों में सार्वजानिक कोष स्थापित किया गया, करो की राशि, लगान, दण्ड एवं जुर्मानो से प्राप्त धन को संचित किया गया, मौर्य काल में सार्वजनिक कोष में सबसे अधिक धन संचित करने वाली पंचायतों एवं ग्रामों को पुरस्कृत किया गया। गुप्तकाल में अष्टकुलाधिकरण (आठ कुलों का निरीक्षक), शौल्किक (शुल्क वसूल करने वाला, चुंगी संग्राहक) गौल्मिक (वन, उपवन निरीक्षक) आदि नियुक्त किए गए। मध्य काल में भूमि कर वसूली एवं शांती व्यवस्था हेतु नम्बरदारों को नियुक्त किया गया। मुगल काल में परगनों को गांवों में विभाजित किया गया। दसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में दक्षिण में पंचायतें पूर्ण अस्तित्व में थीं। प्राचीन काल में विशेष उल्लेखनीय कार्य करने वाले पंचायतों एवं ग्रामों को प्रोत्साहित करने हेतु पुरस्कृत किया जाता रहा है। आजादी के अमृत काल में राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025, पंचायत एडवांसमेंट इनडेक्स (उन्नति सूचकांक) 2.0 योजनाओं के क्रियान्वयन की इकाई नही बल्कि पंचायते में आर्थिक विकास एवं सामाजिक न्याय को मापने को पैमाना है। पंचायत उन्नति सूचकांक 17 सतत विकास लक्ष्यों को 09 थीम में विभक्त कर 230 आंकडे बिन्दु चिन्हित कर किया गया है, जिसमें 150 यूनिक स्थानीय सूचकांकों का उपयोग किया गया है। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 के अंतर्गत देष की कुल 2,66,999 ग्राम पंचायतों एवं स्थानीय निकायों में से 2,59,867 ग्राम पंचायतों (97.32 प्रतिषत) द्वारा साक्ष्य आधारित ग्राम सभा से सत्यापित आंकडे प्रस्तुत किये जिसमें 3635 (1.39 प्रतिशत) ए–श्रेणी, 1,18,824 (45.73 प्रतिशत) बी–श्रेणी, 1,23,719 (67.01 प्रतिशत) सी–श्रेणी तथा 13,689 (5.27 प्रतिशत) डी–श्रेणी में सम्मिलित है, यह पंचायतीराज व्यवस्था को जमीनीस्तर पर लागू करने के प्रयासों का सुखद परिणाम है, जो हमारे गांवों की तसवीर बदली है तथा समाज के अंतिम पंक्ति पर बैठे हुये व्यक्ति को न्याय प्राप्त हुआ है, और समाज के अंतिम पंक्ति पर बैठा हुआ व्यक्ति विकास की मुख्य धारा से जुड़ा है। यह ग्रामीण भारत की उभरती तस्वीर एवं साक्ष्य आधारित पारदर्शी तथा जवाबदेही शासन का प्रमाण है। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 09 थीमों–गरीबी मुक्त उन्नत आजीविका युक्त पंचायत, स्वस्थ पंचायत, बाल–हितैषी पंचायत, जल पर्याप्त पंचायत, स्वच्छ एवं हरियाली युक्त पंचायत, आत्म निर्भर बुनियादी ढांचा युक्त पंचायत, सामाजिक रुप से सुरक्षित न्यायपूर्ण पंचायत, सुषासन युक्त पंचायत तथा महिला हितैषी पंचायत में विभक्त कर 2030 तक 17 सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्ति हेतु किया जा रहा सार्थक प्रयास है। अब पंचायतो से अपेक्षा है, कि सेवा का केन्द्र बिन्दु बनकर आत्म निर्भर बने, जो आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय की स्थापना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पंचायत एडवांसमेंट इन्डैक्स 2.0 (उन्नति सूचकांक) 24 अप्रैल 2026 को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिये 33 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों हेतु जारी किया गया, जिसमें देश की कुल 2,66,999 पंचायतों में से 2,59,876 पंचायतों (97.32 प्रतिषत) ने साक्ष्य आधारित ग्राम सभा से सत्यापित आंकडे प्रस्तुत किये इसमें से कुल 42 ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत किया गया। देश की 2,66,999 ग्राम पंचायतों में 1,18,824 (45.73 प्रतिशत) पंचायते उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली श्रेणी में है, जिन क्षेत्रों ने ग्राम पंचायतों ने उत्कष्ट प्रदर्षन किया है, उनमें गरीबी मुक्त उन्नत आजीविका युक्त तथा स्वस्थ पंचायत शामिल है। छत्तीसगढ़ राज्य की 11,643 ग्राम पंचायतों ने पंचायत पुरस्कार में साक्ष्य आधारित ग्राम सभा से सत्यापित आंकडे प्रस्तुत किया, इसमें 30 ग्राम पंचायत ए–श्रेणी, 3936 ग्राम पंचायत बी–श्रेणी, 5941 ग्राम पंचायत सी–श्रेणी एवं 1736 ग्राम पंचायत डी–श्रेणी प्राप्त की है। स्कोर के आधार पर छत्तीसगढ़ राज्य की ग्राम पंचायत सरदिह (जनपद पंचायत–बगीचा, जिला–जशपुर) को थीम–स्वच्छ एवं हरित पंचायत के अंतर्गत तृतीय पुरस्कार राशि रु. 0.25 करोड़ प्राप्त हुआ है। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार ग्रामीण भारत में समावेषी, सहभागी और सतत विकास को बढ़ावा देगी तथा विकसित भारत / 2047 की दिषा में राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को प्रभावी जमीनी कार्यवाही में पंचायतों की भूमिका को और मजबूत करेगी, जिससे आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत का निर्माण संभव होगा।

-संकाय सदस्य (पंचायती राज)
ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान निमोरा, रायपुर (छ.ग.)

अंतर्मन

ईरान के साथ समझौता लगभग तय,खुलेगा होर्मुज : ट्रम्प

आज की पाती

बढ़ती कीमतों के लिए कौन जिम्मेदार ?

पेट्रोल–डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के बाद से ही देशभर में लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं। इस बढ़ोतरी का सीधा असर हमारी रोजमर्रा की जिंदगी और जेब पर पड़ने लगा है। अब तो हर चीज के दाम बढ़ेंगे, जिससे आम आदमी को अपना जीवनयापन करना मुश्किल हो जाएगा। महंगाई बढ़ने से जनता का मासिक बजट बिगड़ जाता है। जरूरी वस्तुओं की खरीददारी में भी कटौती करनी पड़ती है और बचत में भी कमी आती है। आम जनता पर तो महंगाई की चौतरफा मार पड़ती है। मध्यमवर्गीय परिवारों का बजट तो बिगड़ ही जाता है, लेकिन गरीब आदमी का तो जीना ही मुहाल हो जाता है। सरकार को मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखकर महंगाई पर नियंत्रित करने के उचित प्रयास करने चाहिए।

– पीयूष जोशी, भाटापारा

ट्रेंड

सामाजिक परिवर्तन

जब संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित को अपना मिशन बना लेता है, तब संगठन मात्र राजनीतिक शक्ति से सामाजिक परिवर्तन की शक्ति में परिवर्तित हो जाता है।

-**अन्नपूर्णा देवी**, केंद्रीय महिला विकास मंत्री

पुख्ता व्यवस्था हो

जब लाखों युवा सड़कों पर हैं, 22 लाख बच्चों का भविष्य दांव पर लगा है, और प्रधानमंत्री चुप हैं तो सरकार प्रतिक्रिया देने पर नहीं, बल्कि टालमटोल करने पर ध्यान दे रही है। जब तक परीक्षाओं के पेपर लीक को रोकने के लिए एक पुख्ता व्यवस्था स्थापित नहीं हो जाती, हम नहीं रुकेंगे।

- **राहुल गांधी**, सांसद, कांग्रेस

आत्मनिर्भर भारत

तेजस मार्क 1ए सिर्फ एक लड़ाकू विमान नहीं है; यह आत्मनिर्भर भारत के संकल्प और क्षमता की नई पहचान है। आज, भारत अपने वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और युवाओं की प्रतिभा के बल पर रक्षा क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

- **सम्राट चौधरी**, सीएम, बिहार

मुख्यमंत्रियों से अपील

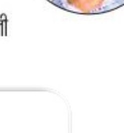

सभी मुख्यमंत्रियों से मेरी अपील है: कृपया 21 तारीख को नीट की पुनर्परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए बस यात्रा नि:शुल्क करें। मुझे खुशी है कि बिहार और हरियाणा ने इस मामले में पंजाब का अनुसरण किया है। आशा है कि अन्य मुख्यमंत्री भी ऐसा ही करेंगे।

-**अरविंद केजरीवाल**, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

डब्ल्यूटीओ में भारत ने चीन के अनुरोध पर रोक लगाई

भारत ने सौर सेल, मॉड्यूल और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्रों के लिए अपने समर्थन उपायों को लेकर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में दायर मामले में पैनल गठित करने के चीन के अनुरोध पर रोक लगा दिया है। चीन ने इस महीने की शुरुआत में डब्ल्यूटीओ के विवाद निपटान निकाय (डीएसबी) से एक पैनल गठित करने का अनुरोध किया था। यह अनुरोध दोनों देशों के बीच परामर्श के विफल रहने के बाद किया गया था। चीन ने पिछले वर्ष दिसंबर में यह मामला दायर किया था। जिनेवा स्थित एक अधिकारी ने कहा कि भारत ने मामले में पैनल बनाने से संबंधित चीन के पहले अनुरोध को खारिज कर दिया है। डब्ल्यूटीओ नियमों के तहत, मामले से संबंधित देश पहली बार पैनल गठन के अनुरोध को रोक सकता है, लेकिन दूसरी बार भी यह अनुरोध किए जाने पर पैनल गठित हो जाता है। यह मुद्दा 22 मई को जिनेवा में आयोजित डीएसबी की बैठक में उठा था। यदि चीन अगली बैठक में दोबारा अनुरोध करता है, तो पैनल का गठन स्वत: हो जाएगा। चीन ने आरोप लगाया है कि भारत द्वारा कुछ प्रौद्योगिकी उत्पादों पर लगाए गए आयात शुल्क और घरेलू उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने वाले उपाय चीनी उत्पादों के साथ भेदभाव करते हैं।

ऑफ बीट

अनिद्रा अपने आप में एक बीमारी, इलाज की जरूरत

अनिद्रा यानी नींद न आने की समस्या संभवत: प्राचीनकाल से ही इनसानों को परेशान करती आ रही है, लेकिन वैज्ञानिकों ने पिछले 20 वर्षों में इसकी समझ हासिल करने की कोशिशों में काफी प्रगति की है। अनिद्रा को लेकर वैज्ञानिकों की समझ में जो सबसे बड़ा बदलाव आया है, वह यह है कि ज्यादातर मामलों में इसकी शिकायत शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य संबंधी किसी अन्य समस्या के कारण उभरती है। अनिद्रा के शिकार अधिकांश लोगों को डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, थॉयरॉयड, पेट से जुड़ी समस्याओं, लंबे समय से बरकरार दर्द, बेचैनी या अवसाद की शिकायत होती है। अनिद्रा जब किसी दूसरी बीमारी या समस्या का नजीता होती है, तो उसे "सेकेंडरी इंसोमेनिया" कहा जाता है। यही कारण है कि पहले डॉक्टर अक्सर सिर्फ मुख्य बीमारी का इलाज करते थे और 'सेकेंडरी इंसोमेनिया' का अलग से उपचार करने पर ध्यान नहीं देते थे। हालांकि, 2000 के दशक की शुरुआत में शोध और नैदानिक अनुभव, दोनों से पता चला कि यह तरीका सही नहीं है। वैज्ञानिकों ने कहा कि कुछ मामलों में अनिद्रा की शिकायत किसी मुख्य बीमारी के उभरने से पहले से ही हो सकती है, जबकि कुछ मामलों में यह उसके ठीक होने के बाद भी लंबे समय तक बनी रह सकती है।

रॉयल पत्रिका

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग

-ईदगाह के बाहर प्रदर्शन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बकरा ईद (ईद-उल-अज़हा) के अवसर पर गुरुवार को राजधानी जयपुर के दिल्ली बाईपास स्थित ईदगाह में बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज़ अदा की। नमाज़ के बाद राजस्थान हज वेलफेयर सोसाइटी की ओर से ईदगाह के बाहर गोवंश संरक्षण को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने तथा गोवंश संरक्षण के लिए देशभर में सख्त कानून लागू करने की मांग उठाई गई।

प्रदर्शन में शामिल लोगों ने सामाजिक सौहार्द, भाईचारे और शांति का संदेश देते हुए कहा कि गाय भारतीय संस्कृति, आस्था और सामाजिक मूल्यों का महत्वपूर्ण प्रतीक है, इसलिए गोवंश को पूर्ण सुरक्षा मिलनी चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने गोहत्या करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और सख्त सजा की मांग भी रखी। राजस्थान हज वेलफेयर सोसाइटी के महासचिव हाजी शेख निजामुद्दीन ने केंद्र सरकार से मांग करते हुए कहा कि गाय को राष्ट्र पशु घोषित किया जाए और गोवंश संरक्षण को लेकर पूरे देश में एक समान कानून लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि इस विषय पर राजनीति समाप्त होनी चाहिए और गोसंरक्षण को राष्ट्रीय अभियान के रूप में आगे बढ़ाया जाना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि ईद-उल-अज़हा केवल कुर्बानी का त्योहार नहीं बल्कि मानवता, करुणा और आपसी भाईचारे का संदेश देने वाला पर्व है। आयोजन में मौजूद लोगों ने गोसंरक्षण के समर्थन में नारे लगाए और समाज व सरकार से मिलकर गोवंश संरक्षण के लिए कार्य करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। आयोजकों ने कहा कि उनका उद्देश्य शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग सरकार और प्रशासन तक पहुंचाना है। आयोजन के माध्यम से गोवंश संरक्षण के साथ सामाजिक जागरूकता और सौहार्द का संदेश देने का प्रयास किया गया।

जयपुर में जल संकट

45 डिग्री में 'नो-वाटर ज़ोन' बनीं बस्तियां, PHED दफ्तर पर महिलाओं का डेरा

-जयपुर में पानी का हाहाकार! बूंद-बूंद के लिए तरसी जनता

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर शहर में भीषण गर्मी के बीच पानी की किल्लत को लेकर जनता का गुस्सा पूरी तरह फूट पड़ा है। परेशान स्थानीय लोगों और बुजुर्ग महिलाओं ने मिलकर पीएचईडी विभाग के कार्यालय के बाहर एक बड़ा धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है, प्रदर्शनकारियों का साफ कहना है कि वे पिछले एक से डेढ़ महीने से पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं और उनके घरों के नल पूरी तरह सूखे पड़े हैं। इस 45-डिग्री तापमान वाली भीषण गर्मी में पानी न मिलने के कारण आम जनता का जीना मुहाल हो चुका है।

त्यौहार पर मंडराया पानी संकट का साया

स्थानीय महिलाओं ने अपनी परेशानी बयां करते हुए कहा कि केवल चार दिन बाद ईद का बड़ा त्योहार आने वाला है, लेकिन पानी की भारी किल्लत के कारण घरों में त्योहार की तैयारियां पूरी तरह ठप हो गई हैं। लोगों के पास नहाने और जुम्मे की नमाज पढ़ने तक के लिए पानी उपलब्ध नहीं है। मंडी और मजदूरी पर जाने वाले पुरुष जब दिनभर की कड़ी धूप और पसीने से लथपथ होकर घर लौटते हैं, तो उन्हें गला तर करने तक के लिए पानी नसीब नहीं होता। ऐसी स्थिति में त्योहार मनाना स्थानीय निवासियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है।

अफसरों की टालमटोल और टैंकर व्यवस्था का विरोध

जब पीड़ित जनता अपनी समस्या लेकर विभाग के पास पहुंची, तो आला अधिकारियों ने कोई ठोस कदम उठाने के बजाय टालमटोल का रवैया अपना लिया। अधिकारियों द्वारा लोगों को 8 से 10 दिन रुकने या गर्मी खत्म होने का इंतजार करने का खोखला आश्वासन दिया जा रहा है। हालांकि, निचले स्तर के कर्मचारियों ने बस्ती में पानी का टैंकर भेजने की बात कही है । लेकिन जनता ने इस अस्थायी व्यवस्था का कड़ा विरोध किया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पूरी बस्ती के लिए केवल एक टैंकर भेजने से पानी के लिए आपस में छीना-झपटी और लड़ाई-झगड़ा शुरू हो जाता है, इसलिए उन्हें सिर्फ नलों में नियमित जलापूर्ति चाहिए।

नेताओं और क्षेत्रीय पार्षदों के प्रति भारी नाराजगी

प्रशासन की इस उदासीनता से परेशान होकर जनता का गुस्सा स्थानीय नेताओं और पार्षदों पर भी जमकर उतरा है। लोगों का आरोप है कि पार्षद और नेता सिर्फ चुनाव के समय वोट मांगने आते हैं और बड़े-बड़े वादे करके चले जाते हैं, लेकिन संकट के समय कोई उनकी सुध लेने नहीं आता। गुस्साए बुजुर्गों और महिलाओं ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही पानी की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ, तो वे आने वाले चुनावों में नेताओं को क्षेत्र में घुसने नहीं देंगे और वोट का पूर्ण बहिष्कार करेंगे।

केबिन से अधिकारी नदारद, AC और कूलर चालू

इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाली बात तब सामने आई जब मीडिया टीम ने अधिशासी अभियंता विकास शर्मा के केबिन का दौरा किया। अधिकारी अपने कमरे से पूरी तरह गायब थे, जबकि उनके केबिन में एसी (AC), पंखे, कूलर और लाइटें सब धड़ल्ले से चालू छोड़ दिए गए थे। एक तरफ जहां आम जनता धूप में तड़प रही है, वहीं दूसरी तरफ सरकारी बिजली और संसाधनों का यह खुला दुरुपयोग प्रशासन की लापरवाही को पूरी तरह बेनकाब करता है। फोन पर संपर्क करने पर अधिकारी ने खुद को फील्ड पर बताया, लेकिन दफ्तर के ये हालात जनता के घावों पर नमक छिड़कने जैसे हैं।

आसमान छूती महंगाई के बीच जुम्मा बाजार बना राहत का बाजार

-सालों पुरानी कीमतों पर आज भी मिल रहा सामान

-आसमान छूती महंगाई के बीच सस्ताई का इकलौता टापू

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । आज के समय में जब देश भर में पेट्रोल, डीजल और हर छोटी-बड़ी चीज के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, आम आदमी की जेब पर महंगाई की दोहरी मार पड़ रही है। ऐसे मुश्किल दौर में भी जयपुर के छप्पर 'बंदों के रास्ता', घाटगेट में लगने वाला यह साप्ताहिक बाजार (जुम्मा बाजार) आम जनता के लिए राहत की बड़ी उम्मीद बनकर खड़ा है। जहां एक तरफ बड़े-बड़े मॉल और ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स पर कपड़े और जरूरत के सामान के दाम दिन-ब-दिन महंगे होते जा रहे हैं, वहीं इस ऐतिहासिक बाजार में आज भी महंगाई पूरी तरह फीकी नजर आती है और हजारों महिलाएं यहां बेफिक्र होकर खरीदारी करने पहुंचती हैं।

लागत बढ़ने के बाद भी सालों पुरानी रेट पर अड़े दुकानदार

इस बाजार की सबसे हैरान करने वाली सच्चाई यह है कि कच्चे माल (रॉ मेटेरियल) की निर्माण लागत (मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट) पहले के मुकाबले बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है। कपड़े तैयार करने वाले कारखाने अब बढ़ी हुई कीमतों पर माल दे रहे हैं।

लेकिन इसके बावजूद, इस बाजार के दुकानदारों ने पिछले एक साल से अपनी पुरानी कीमतों में एक रुपये की भी बढ़ोतरी नहीं की है। दुकानदारों का कहना है कि महंगाई के इस दौर में अगर वे दाम बढ़ाएंगे, तो गरीब और मध्यमवर्गीय ग्राहक खरीदारी नहीं कर पाएंगे। इसलिए व्यापारी खुद का मुनाफा (मार्जिन) कम करके भी ग्राहकों को उसी पुरानी और सस्ती रेट पर माल दे रहे हैं।

बाजारों में मची है लूट, पर यहां मात्र रु.50 से रु.150 में मिल रहा सामान

आम बाजारों या पास के बड़े दड़ा मार्केट की तुलना में यहां मिलने वाली सस्ताई अकल्पनीय है। जो कपड़े बाहर के बाजारों में रु.70 में मिलते हैं, वह यहां आज भी पुरानी दरों पर मात्र रु.35 से रु.40 में मिल जाते हैं। हद तो तब हो जाती है जब इस भीषण महंगाई के दौर में भी यहां लेडीज सूट के पीस मात्र रु.50, ₹ रु.100 या रु.150 में दो की दर से भी मिल जाते हैं। बाहर रु.500 में मिलने वाली चीजें यहां सीधे रु.300 में उपलब्ध हैं, जिससे हर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार को सीधे रु.200 की सीधी बचत हो रही है।

क्वालिटी से समझौता नहीं, दूर-दूर से खिंची चली आती है भीड़ कम कीमत सुनकर अक्सर लोगों को लगता है कि शायद माल खराब होगा, लेकिन यहां के खरीदारों का दावा है कि बेहद कम दामों के बावजूद कपड़ों की क्वालिटी नंबर वन होती है। यही वजह है कि महंगाई से त्रस्त जनता को जब इस बाजार की भनक लगती है, तो लोग झूंथवाड़ा और नहारी का नाका जैसे दूर-दराज के इलाकों से झुंड बनाकर यहां आते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने मुंबई जैसे बड़े शहरों में भी जाकर देखा है, लेकिन इस भयंकर महंगाई के युग में भी जयपुर के इस बाजार जैसी रिकॉर्ड तोड़ सस्ताई और अच्छी क्वालिटी पूरे देश में कहीं और मिलना नामुमकिन है।

देश सेवा के बाद अब हक के लिए संघर्ष

- 48° पारे में कपड़े उतार सड़कों पर उतरे PTI अभ्यर्थी, 10 महीने से अटकी जांच

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान की राजधानी जयपुर में शिक्षा संकुल के बाहर पीटीआई (PTI) भर्ती 2022 के अभ्यर्थियों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले आठ दिनों से चल रहे इस धरना प्रदर्शन ने उस समय एक बेहद उग्र रूप ले लिया जब प्रदर्शनकारियों ने तीखी धूप और लगभग 48 डिग्री के जानलेवा तापमान के बीच अर्धनग्न होकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। अभ्यर्थियों का कहना है कि डबल इंजन की सरकार और उनके आला अधिकारी उनकी जायज मांगों को लेकर पूरी तरह से आंखें मूंदे बैठे हैं, जिसकी वजह से उन्हें इस कड़ी धूप में अपने कपड़े उतारने पर मजबूर होना पड़ा है।

स्थायीकरण और नियमित वेतन की मांग

प्रदर्शनकारियों की सबसे मुख्य मांग उनका स्थायीकरण और वेतन नियमितीकरण है। अभ्यर्थियों ने बताया कि उनकी पोस्टिंग सितंबर 2023 में हुई थी और नियम के अनुसार सितंबर 2025 में उनका दो साल का प्रोबेशन पीरियड भी पूरा हो चुका है। इसके बावजूद लगभग एक साल से अधिक का समय बीत जाने पर भी उनका नियमितीकरण नहीं किया गया है। इस भीषण महंगाई के दौर में उन्हें मात्र 20 से 21 हजार रुपये के फिक्स मानदेय पर गुजारा करना पड़ रहा है, जिससे उनका घर चलाना बेहद मुश्किल हो गया है।

जांच के नाम पर अधूरा आश्वासन

अभ्यर्थियों ने प्रशासन पर जांच के नाम पर मामले को लटकाने और गुमराह करने का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि चयन के दौरान उनके दस्तावेजों की अलग-अलग स्तरों पर लगभग छह बार जांच की जा चुकी है। एसओजी (SOG) ने भी अपनी रिपोर्ट में अधिकतम अभ्यर्थियों को सही माना था। सचिवालय के आदेश में जांच के लिए सिर्फ 10 दिन का समय दिया गया था, लेकिन आज 10 महीने बीत जाने के बाद भी अधिकारी सिर्फ जांच चलने का रोना रो रहे हैं। अभ्यर्थियों का साफ कहना है कि जो फर्जी हैं उन्हें तुरंत बाहर किया जाए, लेकिन सही अभ्यर्थियों को परेशान न किया जाए।

देश के जवानों का टूटता मनोबल

इस आंदोलन में कई ऐसे अभ्यर्थी भी शामिल हैं जो भारतीय नौसेना (Navy) से 15 साल तक देश की सेवा करने के बाद रिटायर होकर आए हैं। एक पूर्व सैनिक ने अपना दर्द व्यक्त करते हुए बताया कि देश की सेवा करने के बाद उन्हें यहां खेल कोटे से चयनित होने पर भी संदिग्ध बना दिया गया है, जो उनके मान-सम्मान को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने बताया कि वे सरकार की हर ड्यूटी जैसे बीएलओ (BLO), जनगणना और खेल उत्सवों में पूरी निष्ठा से काम कर रहे हैं, फिर भी शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से मिलने पर उन्हें सिर्फ जांच का हवाला देकर टाला जा रहा है।

आमरण अनशन और उग्र आंदोलन की चेतावनी

शिक्षा संकुल के साथ-साथ बीकानेर निदेशालय के सामने भी अभ्यर्थियों का धरना लगातार जारी है। नौतपा की इस तपती धूप में कई अभ्यर्थियों की तबीयत खराब हो चुकी है और वे अस्पताल में भर्ती हैं। प्रदर्शनकारियों ने सरकार को चेतावनी दी है कि अगर जल्दी ही उनके स्थायीकरण की कोई निश्चित तिथि घोषित नहीं की गई, तो वे इस आंदोलन को और उग्र बनाएंगे। उन्होंने कहा कि वे किसी सरकारी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे, बल्कि मजबूरन भूख हड़ताल और आमरण अनशन पर बैठेंगे और मंत्रियों की गाड़ियों के आगे लेट कर अपना विरोध दर्ज करवाएंगे।

जानिए आमेर एसडीएम कार्यालय के घेराव के पीछे का असली सच

-कागज पर लीक हुआ भविष्य, बूंद-बूंद को तरसी जनता

-कांग्रेस का देशव्यापी आंदोलन और आमेर में प्रदर्शन

जयपुर (रॉयल पत्रिका) I NEET UG 2026 परीक्षा में हुई कथित धांधली और पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस मुद्दे पर मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस लगातार विरोध प्रदर्शन, रैलियां और धरने आयोजित कर रही हैं । कांग्रेस का आरोप है कि मामले में अब तक केवल छोटे मोहरों (13 आरोपियों) को ही पकड़ा गया है, जबकि परीक्षा प्रणाली से खिलवाड़ करने वाले मुख्य "बड़े मगरमच्छ" अभी भी कानून की गिरफ्त से बाहर हैं । इसी कड़ी में राजस्थान के आमेर में स्थानीय विधायक प्रशांत शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आमेर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर गहरा रोष व्यक्त किया और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा ।

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ और आत्महत्या का बढ़ता दर्द

एसडीएम को ज्ञापन सौंपने के बाद आमेर के विधायक प्रशांत शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए इस पूरे घटनाक्रम को बेहद संवेदनशील बताया कहा कि लगभग 22 से 23 लाख छात्रों ने इस परीक्षा की तैयारी की थी । सरकार की विफल नीतियों और पेपर लीक के कारण रात-दिन मेहनत करने वाले होनहार छात्रों का मनोबल पूरी तरह टूट चुका है । कई परिवारों ने भारी कर्ज लेकर बच्चों को पढ़ाया था लेकिन इस विफलता से हताश होकर कुछ छात्रों को आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम तक उठाना पड़ा है । विधायक ने सीकर के एक छात्र का उदाहरण देते हुए कहा कि उसके परिवार ने घर गिरवी रखकर ₹1.5 लाख की व्यवस्था की थी।

ऐतिहासिक नगरी आमेर में बूंद-बूंद पानी के लिए त्राहि-त्राहि

इस प्रदर्शन में केवल पेपर लीक का ही मुद्दा नहीं था, बल्कि क्षेत्र में गहराते बिजली और पानी के संकट को लेकर भी स्थानीय प्रशासन को घेरा गया । विधायक प्रशांत शर्मा ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भीषण गर्मी (43 डिग्री तापमान) और नौतपा के इस दौर में भी आम जनता के लिए पानी के टैंकरों और सुचारू पेयजल की कोई कंटिंजेंसी व्यवस्था नहीं की गई है । उन्होंने चिंता जताई कि यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल ऐतिहासिक आमेर शहर में जब पानी की यह बदतर स्थिति है , तो सुदूर ग्रामीण इलाकों की क्या स्थिति होगी।

सरकार पर दबाव और अंतिम सांस तक लड़ाई का संकल्प

विधायक प्रशांत शर्मा ने स्पष्ट किया कि जब तक सरकार इस गंभीर मामले पर कोई ठोस कदम नहीं उठाती और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं करती, तब तक उनका यह विरोध प्रदर्शन थमने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और वे सड़क से लेकर सदन तक इस लड़ाई को अंतिम स्तर तक जारी रखेंगे । इस दौरान उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार के दावों तथा बयानों को भी जनता की उम्मीदों और जमीनी सच्चाई से परे बताया।

राजेन्द्र कुमार बैरवा बने समर्पण संस्था के ब्रांड एम्बेसेडर

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । बैंक ऑफ बड़ौदा के सीनियर मैनेजर राजेन्द्र कुमार बैरवा को समर्पण संस्था का एज्युकेशनल ब्रांड एम्बेसेडर बनाया गया है। इस अवसर पर संस्था के प्रतिनिधियों ने उनके निवास पर जाकर संस्था की विभिन्न सामाजिक और शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी साझा की। मुलाकात के दौरान राजेन्द्र कुमार बैरवा ने अपनी माताजी की पुण्य स्मृति में समाजसेवा का सराहनीय संकल्प लिया। उन्होंने समर्पण संस्था के माध्यम से शैक्षिक सत्र 2026-27 में निर्धन एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में सहयोग करने की जिम्मेदारी स्वीकार की। संस्था के नियमानुसार उन्होंने एज्युकेशनल ब्रांड एम्बेसेडर के रूप में 21000 रुपए की सहयोग राशि संस्था के खाते में ट्रांसफर की। साथ ही निर्धारित आवेदन पत्र भरकर संस्था को सौंपा। संस्था पदाधिकारियों ने उनके इस योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सहयोग से आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने में मदद मिलेगी। समर्पण संस्था लंबे समय से शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और जरूरतमंद लोगों की सहायता के क्षेत्र में कार्य कर रही है। संस्था ने राजेन्द्र कुमार बैरवा के इस सहयोग को प्रेरणादायक बताते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

राजस्थान हाईकोर्ट में 1 जून से 28 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । सोमवार 1 जून से 28 जून तक हाईकोर्ट में ग्रीष्मकालीन अवकाश रहेगा । ग्रीष्मकालीन अवकाश में जरूरी प्रकरणों की सुनवाई की जा रही, मुख्यपीठ जोधपुर में 2 और खंडपीठ जयपुर में 3 बेंच कर रहीं सुनवाई, जोधपुर मुख्यपीठ में एक खंडपीठ व एक एकलपीठ कर रहीं सुनवाई, वहीं जयपुर में एक खंडपीठ और दो एकलपीठ कर रहीं सुनवाई, सुबह 8 बजे से दोपहर एक बजे तक प्रकरणों की सुनवाई होगी ।

हजारों लोगों के साथ मुस्लिम समाज की पद यात्रा

-गौमाता को राष्ट्रीय पशु बनाने की माँग

-धर्म के नाम पर लोगों को लड़ाना बंद करे भाजपा, गौ माता को राष्ट्रीय पशु बनाए: खाचरियावास

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गौ माता को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देने और गौ हत्या व गौ तस्करी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर रविवार 31 मई 2026 को मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जयपुर में विशाल पद यात्रा निकाली। यह पद यात्रा पार्षद अजरुद्दीन, आफताब गोरान एवं जिशान पठान मस्जिद कुरेशी, अरशद ख़ान, एहसान ख़ान, अयूब ख़ान के नेतृत्व में आयोजित की गई । जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग, युवा एवं गौ भक्त शामिल हुए। इस यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए। युवाओं ने "गौ माता को राष्ट्रीय पशु का दर्जा दो", "गौ हत्या बंद करो", "गौ तस्करी बंद करो" और "गौ माता के हत्यारों को फांसी दो" जैसे नारों के साथ रैली में भाग लिया।

इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास भी पदयात्रा में शामिल हुए। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर लोगों ने पुष्प वर्षा कर एवं मालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया।

खाचरियावास ने कहा कि भाजपा केवल हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई के नाम पर वोट मांगने तथा लोगों को आपस में लड़ाने की राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि आज मुस्लिम समाज के हजारों लोगों ने गौ रक्षा और गौ माता के सम्मान के लिए सड़कों पर उतरकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि समाज गाय को विशेष सम्मान दिलाने की मांग कर रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा का दोहरा चरित्र जनता के सामने आ चुका है। यदि भाजपा वास्तव में गाय और गौरक्षा के प्रति गंभीर है तो उसे गौमाता को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। खाचरियावास ने कहा कि धर्म के नाम पर राजनीति करने के बजाय सरकार को गौ संरक्षण के लिए प्रभावी निर्णय लेने चाहिए।

ब्रीफ खबरें

अंता में साइकिल रैली से दिया जल संरक्षण का संदेश

-देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा ने वंदे गंगा अभियान की महत्ता बताई

बारां (रॉयल पत्रिका)। वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत रविवार को अंता में साइकिल रैली का आयोजन किया गया। राजस्थान सरकार के देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा स्वयं भी साइकिल चलाकर अभियान में भाग लिया। भडाणा शाम 4.45 बजे सरदार बल्लभ भाई पटेल स्टेडियम पहुंचे। रैली के दौरान उन्होंने मुख्य मार्ग के समीप स्थित मीठी बावड़ी का अवलोकन किया। बावड़ी में गंदगी और कचरा देखकर उन्होंने गहरी नाराजगी प्रकट की और नगर पालिका अधिकारी को फटकार लगाते हुए तत्काल सफाई के निर्देश दिए। इसके बाद अंता के खेम जी उद्यान में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए भडाणा ने राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में जल संरक्षण के प्रति सजग है। जल प्रकृति का अनमोल उपहार है, इसे भावी पीढ़ी के लिए सहेजना हमारी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में मोतीलाल मीणा, नरेश सिंह सिकरवार, प्रधान मोरपाल सुमन ने भी संबोधित किया। एडीएम भंवरलाल जनागल, एसडीएम हवाई सिंह यादव सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं आमजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई और तालाब पर दीपदान का आयोजन किया गया।

अकीदत और भाईचारे के साथ मनाया ईदुल अज़हा का त्यौहार

-सौहार्दपूर्ण त्यौहार मनाने को लेकर प्रशासन रहा मुस्तैद

बारां (रॉयल पत्रिका) । मजहब-ए-इस्लाम व मुसलमानों के दूसरे सबसे पवित्र व बड़े त्यौहार ईद-उल- अज़हा गुरुवार 28 मई को जिले भर में अकीकत और भाईचारे के साथ मनाई गई। जिला वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी व ईदगाह सदर जहीर अहमद ने बताया कि ईद-उल-अज़हा की नमाज़ ईदगाह पर सुबह 7:15 पर मोहतमिम अब्दुल कय्यूम साहब ने अदा करवाई। ईदगाह सेकेट्री शोएब अख्तर ने बताया कि नमाज़ से पहले जामा मस्जिद के ईमाम मौलाना वसीम अख्तर ने खिताब करते हुए लोगों को अल्लाह और उसके रसूल के बताए रास्ते पर चलने, बुरे कामों से बचने, भलाई के काम करने की हिदायत दी। उन्होंने बताया कि हज़रत इब्राहिम अलेहिस्सलाम के बेटे हज़रत इस्माईल अलेहिस्सलाम के त्याग और बलिदान की याद में ईद-उल-अजहा मनाई जाती है । मुसलमान ईदगाह पर ईद की नमाज़ अदा करते हैं और अपने गुनाहों की माफी सहित देश में अमन-चैन व खुशहाली और भाईचारे की दुआ मांगते हैं। नमाज़ के बाद खुत्बा पढ़ा गया। ईदगाह में जगह की कमी के चलते शहर की मस्जिद बारां भाईयान में मौलाना अख्तर नदवी, मस्जिद श्योपुरियांन में ईमाम मोहम्मद अकरम, मस्जिद भोला शाह में ईमाम शब्बीर अहमद, तालाब की पाल वाली मक्का मस्जिद में ईमाम मोहम्मद असलम, मरकज मस्जिद में मौलाना मुजीब पठान ने भी ईद की नमाज अदा करवाई। नमाज के दौरान ईदगाह पर पुलिस - प्रशासन मुस्तैद रहा। उप जिला कलेक्टर सहित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने लोगों को ईद की मुबारकबाद दी। इस दौरान हजारों की संख्या में नमाज़ी मौजूद रहे।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में निकाली कलश यात्रा

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका) । वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत शनिवार 30 मई 2026 को नगर पालिका सुकेत एवं राजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा जल संरक्षण जागरूकता के लिए कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में महिलाओं ने पानी बचाओ-जीवन बचाओ, जल है तो कल है जैसे नारों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा सब्जी मंडी, हाट बाजार एवं जुल्मी रोड से होकर नगर पालिका परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष सविता लखेरा, महामंत्री निरंजन शर्मा एवं कोषाध्यक्ष मधु शर्मा के नेतृत्व में महिलाओं ने पक्षियों के लिए परिंडे बांधे तथा मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता एवं जल संरक्षण का संदेश दिया। नगर पालिका अधिशासी अधिकारी हेमेंद्र कुमार सांखला ने उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। वहीं पीलियाखेड़ी क्षेत्र में नुक्कड़ नाटक मंडली के कलाकारों द्वारा जल बचाने और स्वच्छता बनाए रखने के महत्व पर आधारित नाटक का मंचन किया गया। अभियान के तहत पशुओं के लिए पीलियाखेड़ी, बावड़ी के बालाजी सहित विभिन्न स्थानों पर पानी की टंकियां रखवाई गईं।

जामिआ तुल फुरकान का इजलास-ए-आम और सनद तकसीम प्रोग्राम आयोजित

-तालिबे इल्म अपने सीनों में कुरान हमेशा महफूज़ रखेंगे:- शेख अबरार अहमद

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। शहर में शोबा-ए-हिफ्ज को बेहतरीन निज़ाम के साथ संचालित करने वाले मदरसा जामिआ तुल फुरकान का इजलास-ए-आम ओर सनद (डिग्री) तकसीम प्रोग्राम 31 मई 2026 रविवार को अंजुमन मैरिज हॉल में सम्पन्न हुआ। कमेटी के प्रेस प्रवक्ता शुजाउद्दीन काजी ने बताया कि इस इजलास की सदारत दारुल उलूम नदवा तुल उलेमा लखनऊ से तशरीफ लाए जामिआ तुल फुरकान के नाजिम शेख अबरार अहमद नदवी ने की। मेहमानान-ए-खुसूसी हाड़ौती की अजीम शख्सियत काजी-ए-शहर कोटा जुबेर अहमद साहब ओर दारुल उलूम नदवा तुल उलेमा लखनऊ के उस्ताद ओर जामिआ तुल फुरकान के नायब नाजिम मौलाना अब्दुल रशीद नदवी रहे। अन्य मेहमानों में मोहतमिम अब्दुल कय्यूम, मौलाना मकसूद अहमद कोटा रहे। प्रोग्राम की शुरुआत तिलावत-ए-कुरान से की गई। इसके बाद बच्चों ने अपनी तकरीरें पेश की। प्रोग्राम में शोबा-ए-हिब्ज़ की पढ़ाई मुकम्मल करके हाफिज बने 28 हाफिज-ए-कुरान को उपस्थित मेहमानों ने दस्तारबंदी करके सनद (डिग्री) तकसीम की गई। इस मौके पर उपस्थित लोगों ओर हाफिज-ए-कुरान बने बच्चों के परिवार वालों की आंखों से खुशी के आंसु छलक पड़े, सभी ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ बच्चों की हौसला अफजाई की। इस मौके पर बोलते हुए मदरसे के नाजिम शेख अबरार अहमद नदवी ने कहा कि ईमान की रोशनी अल्लाह के इस पाक कलाम कुरान पाक को हमेशा अपने सीनों में महफ़ूज़ रखना ताकि इसके जरिए हमेशा लोगों को फायदा ओर सही राह दिखा सको ओर आप खुद भी राहें हक पर रहना। हाड़ौती की अजीम शख्सियत काजी-ए-शहर कोटा जुबेर अहमद ने खिताब करते हुए कहा कि मज़हब-ए-इस्लाम में हाफिज का मर्तबा बुलंद है, आप सभी नन्हे हाफिज आने वाली नस्लों को इस्लाम की असल पहचान ओर इस्लाम के मुकम्मल फ़राईज बताएंगे। ओर देश के विकास में अपना योगदान देंगे। ये सिलसिला पीढ़ी दर पीढ़ी चलता रहेगा। मौलाना अब्दुल रशीद नदवी ने कहा कि आप सभी बच्चों को हाफिज बनने की सनद मिल गई है। इसके बाद अब आगे मौलवियत, आलिम, मुफ्ती ओर भी दूसरी पढ़ाई कीजिए ताकि आपके इल्म में इजाफा हो सके। प्रोग्राम के आखिर में हाफिज मकसूद अहमद ने दुआ करवाई। प्रोग्राम में अंजुमन सदर मन्नू पठान, अंजुमन इत्तेहाद-ए-बाहमी के सदर आबिद हुसैन अंसारी, कपड़ा व्यवसाई हाजी सिद्दिक अंसारी, कांग्रेस सेवादल के प्रदेश कॉर्डिनेटर नासिर मिर्ज़ा, अजीम पठान कवाई, हाजी वसीम अहमद, पार्षद जाकिर खान सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रोग्राम का संचालन मौलाना अख्तर नदवी और मदरसे के उस्ताद हाफिज मोहम्मद कुरैश ने किया।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की अनूठी पहल

-वंदे गंगा अभियान के तहत पेयजल समस्याओं के समाधान के लिए विशेष अभियान शुरू, कई शिकायतें दुरुस्त

बारां.(रॉयल पत्रिका) आमजन को भीषण गर्मी में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा विशेष मुहिम शुरू की गई है। वंदे गंगा जल संरक्षण जन भागीदारी अभियान के तहत कलेक्टर के निर्देशानुसार बारां जिले में 30 जून तक हर शनिवार को यह विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत हैंडपंप व नलकूप मरम्मत, पाइपलाइन लीकेज ठीक करने, अवैध कनेक्शन काटने, कम दबाव और प्रदूषित पानी की शिकायतों का मौके पर निपटारा किया जा रहा है।

12 टीमों का गठन, 12 वाहनों से त्वरित कार्रवाई

अभियान को प्रभावी बनाने के लिए जिले में 12 विशेष टीमें बनाई गई हैं। प्रत्येक टीम की कमान सहायक अभियंता या कनिष्ठ अभियंता को सौंपी गई है। त्वरित आवाजाही के लिए 12 विशेष वाहन भी उपलब्ध कराए गए हैं।

तीसरे शनिवार 30 मई को बड़ी कार्रवाई

30 मई को 12 टीमों ने जिले के 60 स्थानों पर कार्रवाई की। 24 खराब हैंडपंप दुरुस्त कर चालू किए गए। 4 प्रमुख स्थानों पर पाइपलाइन लीकेज ठीक किए गए। 9 क्षेत्रों में कम दबाव की शिकायत दूर कर आपूर्ति सामान्य की गई। 3 क्षेत्रों में तकनीकी कमियां सुधार कर पानी की सप्लाई शुरू की गई। 2 स्थानों पर कम पेयजल आपूर्ति और 5 जगह कम समय आपूर्ति की शिकायत दुरुस्त की गई। दूषित पानी की शिकायत पर 2 जगह प्रदूषण की समस्या का निवारण किया गया। पानी की चोरी रोकने के लिए पुलिस प्रशासन के सहयोग से 11 अवैध जल कनेक्शन मौके पर काटे गए।

टैंकर से जलापूर्ति जारी

जिला कलक्टर के मार्गदर्शन पर उपखंड अधिकारी, तहसीलदार व विकास अधिकारी को पेयजल योजनाओं का निरीक्षण कर आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिन क्षेत्रों में लाइनों से पानी नहीं पहुंच पा रहा, वहां टैंकर से जलापूर्ति की जा रही है। वर्तमान में जिले के 118 ग्रामों व ढाणियों में 41 टैंकरों द्वारा प्रतिदिन 254 ट्रिप जलापूर्ति की जा रही है।

नशा न करें अपनी आने वाली पीढ़ी को बचाएं - हाजी मोईनुद्दीन अशरफी

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर हम संकल्प लें कि खुद भी नशा नहीं करेंगे और अन्य लोगों को भी नशा नहीं करने के लिए प्रेरित करेंगे यह कहना था अलइस्हाकिया, अलअशफाकिया ट्रस्ट के अध्यक्ष हाजी मोइनुद्दीन अशरफी का। वे नवीन जोधाणा जागरूक संस्थान और मौलाना आजाद यूनिवर्सिटी, जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में नशे के विरुद्ध चल रहे अभियान के अन्तर्गत 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' के अवसर पर आखलिया चौराहा स्थित नूरानी मदरसे में आयोजित 'नशा विरोधी टी शर्ट एवं स्टीकर' वितरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। संस्थान के संस्थापक साजिद खान ने बताया कि ट्रैवल थेरेपी के संचालक सय्यद हैदर अली के विशेष सहयोग से संस्था को नशा विरोधी टी शर्ट एवं हिजामा थैरेपी के एक्सपर्ट मोहम्मद सिराज रिज़्वी ने नशा विरोधी संदेश के 1 हजार स्टीकर संस्था को भेंट किये। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि नशे की प्रवृत्ति युवा पीढ़ी में बहुत ही तेजी से देश और प्रदेश में बढ़ती जा रही है हमारी संस्था सोशल मीडिया, रैली नुक्कड़ सभा और शॉर्ट फिल्मों से आमजन को नशे के विरुद्ध जागरूक करने का काम कर रही है। सरकार को नशा बंद करना चाहिए। इससे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ने के साथ ही कई परिवार टूटकर बर्बाद हो रहे हैं। सेवानिवृत आरएएस निसार खान और मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स डीन डॉ. सैयद मोइनुल हक ने संस्थान की ओर से चलाए जा रहे इस अभियान की प्रशंसा करते हुए आमजन को इससे जुड़ने की अपील की। संस्था के कार्यवाहक अध्यक्ष आसिफ नूरी ने कहा कि इस मौके पर संस्थान के संरक्षक मोहम्मद इरफान कुरैशी, एडवोकेट असलम खान, मोहम्मद सद्दीक राजू, महासचिव शकील अहमद, मोहम्मद आफताब, कोषाध्यक्ष मोहम्मद हारुन, मोहम्मद आशिफ, मोहम्मद अय्यूब, इकबाल नूरी, उस्मान कुरैशी व अशफाक कुरैशी सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ कार्यक्रम

-'हिंदी पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियां' विषय पर किया मंथन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका) । हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर शनिवार को चूरू जिला मुख्यालय पर सूचना केंद्र में "हिंदी पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियां" विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद एम, एपीआरओ मनीष कुमार, वरिष्ठ पत्रकार देवराज लाटा, किशन उपाध्याय सहित पत्रकारों एवं बुद्धिजीवियों ने शिरकत कर हिंदी पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति व चुनौतियों पर विचार—विमर्श किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है। हिंदी पत्रकारिता ने लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज जब सोशल मीडिया, एआई आदि सूचना के अनेक माध्यम उपलब्ध हैं, तब पत्रकारिता के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती अपनी विश्वसनीयता और निष्पक्षता को बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान डिजीटल युग में पत्रकारिता के सामने विश्वसनीयता बनाए रखने और फेक न्यूज जैसी चुनौतियों से निपटने की आवश्यकता है। इसलिए प्रामाणिकता अत्यंत आवश्यक हो जाती है। उन्होंने कहा कि स्वाध्याय अत्यंत आवश्यक है। पत्रकारिता क्षेत्र में समसामयिकता और उन्नयन के लिए नियमित अध्ययन पहली कड़ी है। इसलिए किताबें पढ़ें और समसामयिक विषयों पर पकड़ रखें। समाज का अधिकांश वर्ग हिन्दीभाषी है, इसलिए हिन्दी पत्रकारिता में प्रासंगिक विषयों पर तार्किकता, समयबद्धता, विश्लेषण और तथ्यपरकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पत्रकारिता क्षेत्र में सोशल मीडिया व एआई के उपयोग, पाठकों की बदलती अपेक्षाओं, त्वरित समाचारों की होड़ और व्यावसायिक दबावों के बीच गुणवत्ता, तथ्यपरकता और नैतिकता को बनाए रखने आदि बिन्दुओं की ओर ध्यान आकर्षित किया। पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद एम ने कहा कि पत्रकार समाज की आवश्यकताओं को पहचानने और जनभावनाओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। आज सूचना के अनगिनत स्रोत उपलब्ध हैं, ऐसे में प्रमाणिक और तथ्याधारित समाचारों की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि बदलते दौर में सोशल मीडिया और त्वरित सूचना के दबाव के बावजूद सत्य और जिम्मेदार पत्रकारिता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। तथ्यपरक और विश्वसनीय खबरें ही समाज का विश्वास अर्जित कर सकती है। जिम्मेदार एवं तथ्यपरक पत्रकारिता को बनाए रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है। सहायक जनसंपर्क अधिकारी मनीष कुमार ने हिंदी पत्रकारिता के विकास क्रम पर चर्चा करते हुए कहा कि तथ्य आधारित सूचनाओं का प्रेषण अत्यंत आवश्यक है। वरिष्ठ पत्रकार देवराज लाटा, नरेन्द्र शर्मा, किशन उपाध्याय, राजेन्द्र सिंह शेखावत, अखिलेश दाधीच सहित वक्ताओं ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता आज डिजिटल संक्रमण, फेक न्यूज, व्यावसायिक दबाव और बदलती पाठकीय रुचियों जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। इन परिस्थितियों में पत्रकारों को निरंतर अध्ययन, तकनीकी दक्षता और नैतिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहना होगा। वक्ताओं ने कहा कि तकनीकी क्रांति, सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और सूचनाओं की तीव्र प्रतिस्पर्धा के इस दौर में हिंदी पत्रकारिता की विश्वसनीयता, जनपक्ष का प्रमुखता से रखना ही उसकी सबसे बड़ी ताकत हैं।

मनोज शर्मा ने स्वागत किया और अमित तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान आशीष गौतम, मोहम्मद अली पठान, गिरधारी सैनी, ललित चौहान, राहुल शर्मा, जमील अहमद खान, विजय चौहान, देशदीपक किरोड़ीवाल, जसवंत मेड़तिया, रामचंद्र गोयल, पवन शर्मा, प्रदीप माली, बजरंग सैनी, श्रवण शर्मा, नरेन्द्र दीक्षित, अख्तर मुगल, दीपक सैनी, निखिल जांगिड़, गोविंद, राजकुमार चोटिया, बाबूलाल राव, तनुज लाटा, सुनील स्वामी, मनीष शर्मा, बलवान सिंह, विद्याधर शर्मा, दूलीचंद सोनी, संजय गोयल, विजय रक्षक, राजेन्द्र सिंह सहित अन्य मौजूद रहे। संचालन कुंज बिहारी बिरमीवाला ने किया।

ईद उल अज़हा पर लोगों ने बुराइयों के त्याग व नशे से दूर रहने का संकल्प लिया - मौलाना फ़ज़्ले हक़

कोटा (रॉयल पत्रिका) । नूरानी जामा मस्जिद के कोषाध्यक्ष यूनुस क़ादरी ने बताया कि ईद उल अज़हा की तक़रीर में मौलाना फ़ज़्ले हक़, पूर्व चेयरमैन राजस्थान मदरसा बोर्ड ने कहा कि आज का दिन बुराइयों के त्याग का संकल्प लेने का दिन है। समाज में फैली हुई बुराइयों, विशेष तौर पर नशे से दूर रहने व दूसरों को भी दूर कराने का संकल्प दिलाया तथा सभी नेक काम केवल ख़ुदा को राज़ी करने के लिए करें। ख़ुदा की मख़लूक़ (सभी इंसानों, प्राणियों से) प्यार-मोहब्बत करें, आपस में गले मिलकर सांप्रदायिक सौहार्द को मज़बूत बनाएं। इस अवसर पर इमाम मौलाना जमशेद आलम, सैयद ज़िया हैदर वास्ती एवं सदर मोहम्मद अय्यूब ने पुलिस अधिकारियों से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।

नायक समाज का "परिंडा लगाओ अभियान" संपन्न

चूरू (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान नायक समाज संयुक्त समिति जिला चूरू द्वारा सात दिन से चलाया जा रहा "परिंडा लगाओ-जीवन बचाओ" महाभियान शनिवार 30 मई को समापन हुआ। समिति के जिलाध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद नायक ने बताया कि समापन दिवस पर सुबह 9 बजे ओम कॉलोनी, मंगल कॉलोनी, ज्योति नगर, कायम नगर और पंखा सर्किल चूरू में आवारा पशु एवं गायों के लिए सीमेंट के बड़े जल होद स्थापित किए गए हैं। कार्यक्रम में राजकीय भरतिया हॉस्पिटल, चूरू के वरिष्ठ रेडियोलॉजिस्ट डॉ. बी.एल. नायक ने समिति को 10 सीमेंट के बड़े हौद आवारा पशु एवं गौवंश के लिए दिलवाए । जिनको समिति द्वारा चूरू के विभिन्न स्थान पर जहां पर ज्यादा संख्या में पशु व गौवंश ज्यादा इकट्ठे होते हैं वहां रखवाया गए। प्रत्येक दिन पानी की सुनिश्चित व्यवस्था करने के लिए नजदीकी दुकानदार, मकान मलिक या अन्य कोई नजदीक व्यक्ति को जिम्मेदारी सौपी गई । रामेश्वर प्रसाद नायक ने बताया कि अभियान में अब तक अग्रसेन नगर, सहनाली छोटी, देपालसर, रामसरा, खासोली, पूनिया कॉलोनी रेलवे लाइन सहित 15 स्थानों पर 200 से अधिक परिंडे व 20 बड़े हौद सीमेंट के लगाए गए हैं। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पैर में प्लास्टर बंधे कार्यकर्ताओं से लेकर महिलाओं-बच्चों तक में उत्साह की लहर देखने को मिली। हमारा नायक समाज व सर्व समाज सिर्फ मांगता नहीं देता भी है। नायक समाज ST अधिकार हमारा संवैधानिक हक है और बेजुबानों की सेवा हमारा सामाजिक धर्म। नायक समाज राजनीति नहीं, जमीन पर सेवा करते है। "इस अवसर पर कमलनायक, मंडल अध्यक्ष श्रवन बेसर, ओम प्रकाश बाकोलिया, संजय गुर्जर, कैलाश सैनी, बजरंग पुरी गोस्वामी, बीएल फगेडिया, मैनपाल नायक, पवन सिंह नायक, कानाराम नायक, एडवोकेट निर्मल बेसर, जय सिंह नायक, विनायक, गजेंद्र जाखटिया, रौनक जाखटिया, मयंक जाखटिया, वरुण जाखटिया, इंदरचंद नायक, और बाबू, हर्षवर्धन नायक आदि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और अपना योगदान दिया।

"इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी" का प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

-"पहले अच्छे नागरिक बनें"- जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी द्वारा मदरसा जयपुर रोड, चूरू में, अल्पसंख्यक बच्चों के लिए, एक प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन, जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा के मुख्य आतिथ्य में किया गया । जिसमें 10वीं तथा 12वीं बोर्ड परीक्षा में 85 % से ज्यादा मार्क्स लाने वाले 73 छात्र छात्राओं का सम्मान किया गया। इसके अलावा 3 टेबल टेनिस नेशनल खिलाड़ी, एक एयर पिस्टल नेशनल खिलाड़ी, एक कॉलेज लेक्चरार में सलेक्टेड अबरार खान, 8 प्रिन्सिपल, 5 वॉइस प्रिन्सिपल, 14 व्याख्याताओं का और 6 एएसआई राजस्थान पुलिस विभाग में पदौन्नति होने पर उनका भी सम्मान किया गया। "प्राइड ऑफ चूरू" इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी द्वारा समाज में उत्कृष्ट योगदान देने वाली दो हस्तियों को प्राइड ऑफ चूरू के पुरुस्कार से नवाजा गया। जिनमें डॉ. मुमताज़ अली कुरैशी और डॉ. इकराम हुसैन शिशु रोग विशेषज्ञ (HOD, प्रिन्सिपल) हैं। प्रोग्राम के दौरान ही कुछ बच्चों ने अपने करिअर के बारे में कलेक्टर महोदय से पूछा, तो प्रत्येक सवाल का उन्होंने बड़ा तसल्ली बख्श ज़वाब दिया। एक बच्ची के यह पूछने पर, कि मुझे IAS बनने के लिए क्या करना चाहिए, तो कलेक्टर महोदय ने तुरंत कहा कि सब से पहले आप अपनी ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करो, पर्सेनालिटी डेवलपमेंट पर ध्यान दो और एक अच्छे नागरिक बनो, बाकी सब समय के साथ ठीक हो जाएगा, अभी इतनी कम उम्र में ज्यादा चिंता अच्छी बात नहीं। सभी बच्चों को खुद कलेक्टर महोदय द्वारा एक-एक

प्रेरणास्पद किताब भी भेंट की गई (स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, मुन्शी प्रेमचन्द, ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, जवाहरलाल नेहरू, शिव खेड़ा आदि की) । सोसाइटी के अध्यक्ष शौकत अली खान रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर सेल्स टैक्स, जनरल सेक्रेटरी डॉ. एफ एच गौरी सीनियर फिजिशियन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद अयूब खान रिटायर्ड एडिशनल एसपी, संरक्षक हाजी याकूब थीम ने भी विचार व्यक्त किए। 10वीं और 12वीं बोर्ड के तीन टॉपर बच्चों को, TAB लैपटॉप भी इनाम में दिए गए। विशिष्ट अतिथि में, शिक्षाविद अभिलाषा मुकुल भाटी, डॉ. मोहर सिंह मीना (अध्यक्ष मीना महासभा), रचना कोठारी (अध्यक्षा जैन तेरापंथ) मुख्य आकर्षण रहे और अपने उद्बोधन से बच्चों की हौसला अफजाई की। संरक्षक हाजी याकूब थीम द्वारा अध्यक्षता की गई। प्रोग्राम का सफल संचालन प्रिन्सिपल मोहम्मद आरिफ खान, रियाज़ खान और रशीद खान शिक्षाविद द्वारा किया गया। जनहित के कार्यो में अपनी उत्कृष्ट भूमिका निभाने के लिए सोसाइटी द्वारा "इन्सानियत एकता सेवा समिति" का भी अभिनंदन किया गया और समिति की प्रशंसा की गई, जिस के संस्थापक कारी करामात अली खान हैं। कार्यक्रम का आगाज कुरान की तिलावत के साथ हुआ और अतिथियों का फूल माला व साल उढाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में डॉ. मुस्तकीम शेख विधि सलाहकार, निसार खान रिटायर्ड डीईओ शिक्षा विभाग, रिटायर्ड डीईओ नूर मोहम्मद खान, नजीर मोहम्मद खान रिटायर्ड प्रिंसिपल, एईएन रियाज खान, मोहम्मद अली पठान, ओवैस कुरैशी, लायन आबिद खान, सलीम खान दिलावर खानी, कैप्टन जसवंत खान, हबीब खान मलवाण, समीर खान,एडवोकेट जी एन गोरी, महबूब खान नसवान, अयूब खान गौड़, जाकिर हुसैन गोरी, अबरार खान लेक्चर, सादिक खान शिक्षाविद, हबीब डायर, ईशाक खान शिक्षाविद, खुर्शीद गोरी शिक्षाविद, हनीफ खान,डॉ. गफ्फार अली खान, आसिफ खान एईएन, वसीम भाटी अध्यापक आदि काफी संख्या में प्रतिष्ठित नागरिकगण उपस्थित रहे। डॉ. एफ एच गौरी द्वारा सभी मेहमानों का और उपस्थित बच्चों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया गया। अंत में दुआ के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

ब्रीफ खबरें

छात्र अब्दुल लतीफ खान को किया सम्मानित

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जयपुर रोड स्थित मदरसा में इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसायटी द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह में "छात्र-छात्राओं को मोटिवेशन स्पीच देते हुए जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि पहले अच्छे नागरिक बनें" फिर आईएएस, आईपीएस, आरएएस, डॉक्टर, इंजीनियर आदि । जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा समारोह के मुख्य अतिथि पद से बोल रहे थे एवं अध्यक्षता समाज सेवी हाजी याकूब थीम ने की । विशिष्ट अतिथि डॉ. मोहर सिंह डिप्टी डायरेक्टर, श्रीमती अभिलाषा मुकुल भाटी शिक्षाविद, रचना कोठारी, सोसाइटी के अध्यक्ष शौकत अली खान रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर, अयूब खान रिटायर्ड एडिशनल एसपी उपाध्यक्ष, डॉ. एफ एच गोरी सीनियर फिजिशियन महासचिव ने छात्र अब्दुल लतीफ खान पुत्र मोहम्मद सलीम खान को सम्मानित किया गया। छात्र दसवीं में टॉप रहे हैं। कार्यक्रम में साथ में आए छात्र के दादा आर्मी मैन मैनुद्दीन खान दुलेखानी ने कहा कि बच्चों की मेहनत और योग्यता का फल है कि आज बच्चे उच्च संस्थानों से जिला कलेक्टर द्वारा सम्मान हो रहे हैं एवं सभी सदस्यों द्वारा प्रतिभाओं का फूल मालाओं से स्वागत किया गया एवं प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। समारोह का सफल संचालन प्रिंसिपल आरिफ खान ने किया। डॉ. एफ एच गोरी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

हज़रत सैयद उमराव शहीद गाजी का 942वां पांच दिवसीय उर्स शुरू

लाडनूं (रॉयल पत्रिका) । लाडनूं शहर की मशहूर दरगाह हजरत सैयद उमराव शहीद गाजी सरकार का 942वां सालाना उर्स शनिवार 30 मई से अकीदत के साथ शुरू हुआ। उर्स के अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी पांच दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिनमें देशभर से जायरीन एवं अकीदतमंद शामिल होकर दरगाह पर हाजिरी देंगे और अमन, चैन तथा खुशहाली की दुआ होगी। राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक़्फ़ कमेटी नागौर के पूर्व जिला संयोजक एवं परिवेक्षक सामाजिक कार्यकर्ता मो. मुश्ताक खान कायमखानी ने बताया कि उर्स आयोजन दरगाह कब्रिस्तान समिति की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार उर्स 12 जिलहिज्जा 1447 हिजरी से प्रारंभ होकर 16 जिलहिज्जा 1447 हिजरी अर्थात 3 जून 2026 तक चलेगा। इस दौरान दरगाह परिसर में विशेष धार्मिक आयोजन, महफिल-ए-मिलाद, कव्वाली और चादर शरीफ के कार्यक्रम होंगे। कायमखानी ने बताया कि कार्यक्रम के तहत शनिवार को असर की नमाज के बाद 'धमा बैठकी' का आयोजन हुआ। 31 मई रविवार को नमाज-ए-इशा के बाद महफिल-ए-मिलाद हुई। 1 जून सोमवार को फज्र की रात में महफिल-ए-मिलाद और कव्वाली का कार्यक्रम हुआ । इसी प्रकार मंगलवार को गुल एवं संदल की रस्म अदा की जाएगी तथा रात्रि में कव्वाली का आयोजन होगा। उर्स के अंतिम दिन 3 जून बुधवार को चादर शरीफ एवं कुल की रस्म अदा की जाएगी। शाम 5 बजे चादर शरीफ का जुलूस बडबोड़ा सिलावट मस्जिद से दरगाह शरीफ के लिए रवाना होगा। उर्स के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु दरगाह पहुंचकर हजरत गाजी सरकार की बारगाह में हाजिरी देंगे।

नीट मे धांधली, डीजल, पेट्रोल की बढ़ती कीमतों व पानी-बिजली की गंभीर समस्याओं एवं कथित भ्रष्टाचार पर लगे लगाम- विधायक मुकेश भाकर

लाडनूं/डीडवाना (रॉयल पत्रिका)। लाडनू विधानसभा क्षेत्र में डीजल, पेट्रोल की दिनों दिन बढ़ती कीमतों के विरोध सहित पानी-बिजली की गंभीर समस्या और विभिन्न सरकारी विभागों में कथित भ्रष्टाचार को लेकर विधायक मुकेश भाकर के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों सहित सामाजिक संगठनों ने डीडवाना जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर राज्य व केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर समस्या समाधान की मांग की। जनता से जुडे मुख्य मुद्दे पानी-बिजली संकट पर विरोध भीषण गर्मी के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में पानी और बिजली की समस्या को लेकर लोगों में भारी नाराज़गी है। विधायक ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायतों के बावजूद जनता को राहत नहीं मिल रही है। प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। इसमें पानी, बिजली और अन्य जनसमस्याओं के जल्द समाधान की मांग की गई। स्कूलों में निर्माण कार्यों में गड़बड़ी का आरोप विधायक ने आरोप लगाया कि कुछ सरकारी स्कूलों में मरम्मत, प्लास्टर, पेंटिंग और पाइपलाइन जैसे कार्यों में करोड़ों

रुपये के फर्जी बिल पास किए गए, जबकि ज़मीन पर कार्य बहुत कम हुआ। किसानों से धोखाधड़ी का मुद्दा कृषि मंडी और सहकारिता विभाग में किसानों के साथ धोखाधड़ी होने का आरोप लगाया गया। विधायक ने कहा कि किसानों के टोकन कटने के बावजूद कई जगह उनका अनाज नहीं खरीदा गया। सहकारिता विभाग पर सवाल समाचार में सहकारिता विभाग के कुछ अधिकारियों पर करोड़ों रुपये के गबन और अनियमितताओं के आरोप भी लगाए गए हैं। मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की गई। विधायक भाकर ने कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में बड़ा जनआंदोलन किया जाएगा और प्रशासन को जनता के आक्रोश का सामना करना पड़ सकता है। कुल मिलाकर यह प्रदर्शन पानी, बिजली, किसानों की समस्याओं और कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ किया गया था, जिसमें प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग की गई। कांग्रेस पार्टी हमेशा आमजन, किसानों, युवाओं और महिलाओं की आवाज़ उठाती रही है। डीजल पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि से हर वर्ग परेशान हैं। रसोई गैस, खाद्य सामग्री, दूध एवं दैनिक जरूरतों की वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं, जिससे आम परिवारों का बजट पूरी तरह बिगड़ चुका है। साथ ही NEET परीक्षा में हुई धांधली एवं पेपर लीक प्रकरण ने देश के लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो और युवाओं को न्याय मिले, यह हमारी प्रमुख मांग है। जिला कलेक्टर को जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौंपकर जनता की आवाज़ बुलंद की गई। जनहित के मुद्दों पर हमारा संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों एवं आमजन पर पड़ रहे आर्थिक बोझ, व पानी बिजली सहित भ्रष्टाचार के खिलाफ लाडनू विधायक मुकेश भाकर, पंचायत समिति प्रधान हनुमानाराम कासनिया, सामाजिक कार्यकर्ता मो. मुश्ताक खान कायमखानी, नगर पालिका उपाध्यक्ष मुकेश खिंची, राजेन्द्र भगारीया, दिनेश गोदारा, पार्षद अमजद खां, महिला कॉग्रेस से सुमित्रा, युवा कांग्रेस के शमीर खान आदि के नेतृत्व में आयोजित विरोध प्रदर्शन एवं ज्ञापन कार्यक्रम में सहभागी रही। जिला कलेक्टर ने आश्वासन दिया है कि जनता से जुडी जनसमस्याओं का तुरंत समाधान करवाया जाएगा और भ्रष्टाचार के मामले की गंभीरता को देखते हुई जिला स्तर पर एक जांच कमेटी का गठन किया गया है, जो जल्द ही निष्पक्ष जांच कर अपने रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी । उसके बाद दोषियों के खिलाफ नियमन अनुसार कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर मोहम्मद अतीक की आमजन से अपील

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी जोधपुर के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक ने विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर आमजन से अपील की कि एक सर्वे के मुताबिक तम्बाकू से लाखों लोग हर साल पूरे विश्व में अपनी जान गवां देते हैं और बड़ी-बड़ी बीमारी से पीड़ित हो जाते हैं। मैं युवाओं से, आमजन से गुजारिश करता हूं कि चाहे नशा तंबाकू का हो या फिर किसी अन्य प्रकार का। हमें अपने परिवारों की मजबूती के लिए नशा तुरंत प्रभाव से छोड़ना चाहिए। हर सूरत में नशा करने वाले और कराने वालों से दूर रहना है और सामजिक जिम्मेदारी समझते हुए नजदीकी पुलिस को भी इस सम्बंध में सूचना देनी हैं। नशा सभ्य समाज के लिए कलंक ओर इस्लाम में हराम भी है।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर पुलिस की कार्रवाई जारी

-यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए चला विशेष सघन अभियान

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । शहर में बढ़ते यातायात दबाव और सड़क हादसों की रोकथाम को लेकर पुलिस ने नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त अभियान शुरू कर रखा है। पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई करते हुए केवल मई माह में अब तक करीब 300 से अधिक वाहन चालकों के खिलाफ चालान और कानूनी कार्रवाई की गई। थानाधिकारी नेमाराम चौधरी ने बताया कि अभियान के दौरान विशेष रूप से बिना नंबर प्लेट, अस्पष्ट नंबर प्लेट,वाहनों के शीशों पर ब्लैक फिल्म लगाने तथा बंपर लगाने वाले वाहन चालकों पर कार्यवाही की जा रही है। शहर के प्रमुख चौराहों और मुख्य मार्ग पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि भारी चालान और कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए सुरक्षित यातायात नियमों का पालन करें। पुलिस ने कहा कि सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाएं रखने में नागरिकों का सहयोग बहुत ही जरूरी है। अभियान के तहत ड्रंक एंड ड्राइव मामलों में भी पुलिस सख्त नजर आ रही हैं। वाहन चालकों की बेथ एनालाइजर मशीन से जांच की जा रही है। शराब पीकर वाहन चलाते पाए जाने पर वाहन चालान के साथ कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है। दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ नियमों की पालन नहीं करने वाले पर सख्ती बरती जा रही हैं। बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के लगातार चालान काटे जा रहे हैं।

दादा नवाब कायम खां की शहादत दिवस पर होंगे कई कार्यक्रम

चूरू (रॉयल पत्रिका) । रविवार 31 मई 2026 को मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एजुकेशन इंस्टिट्यूट, उस्मानाबाद कॉलोनी में युवा कायमखानी वेलफेयर सोसायटी कि मीटिंग अध्यक्ष रिजवान खान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मीटिंग में आने वाले 14 जून को दादा नवाब कायम खां के शहादत दिवस पर किये जाने वाले कार्यक्रमों पर और एजुकेशन इंस्टीट्यूट में रहने आये बच्चों की व्यवस्थाओं पर कोचिंग क्लासेज शुरु करने पर चर्चा की गई और सभी सदस्यों द्वारा संस्था का निरीक्षण किया गया ।बैठक में सभी सदस्यों की सहमति से निर्णय लिया गया कि 14 जून को दादा नवाब क़ायम खां की शहादत दिवस पर ददरेवा (चूरू) के "निशान-ए-कायम" पर रखी गई फातिहाखानी में सभी शामिल होंगे । शाम को बाद नमाज़ असर मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एजुकेशन इंस्टीट्यूट में उस्मानाबाद कॉलोनी में दादा नवाब कायम खां की फातिहाखानी कर खैराज-ए-अकीदत की जाएगी । असलम खां द्वारा कही गई बातों पर विचार करते हुए इसके लिए शमशेर

भालू खान को जिम्मेदारी दी गई कि वो एक पेज पर कायमखानी कौम इतिहास, 14 जून का इतिहास, ददरेवा का इतिहास और कायमखानी धरोहर के बारे में संक्षिप्त जानकारी संग्रहित करेंगे और कोशिशन 14 जून तक तैयार करेंगे । फातिहाखानी में उनको वितरण कि कोशिश रहेंगी । चूरू तहसील से आर्मी में सेलेक्ट होकर कौम का मान सम्मान बढ़ाने वाले बच्चों का वेलफेयर द्वारा साफा और माला से सम्मानित किया जायेगा । यह कार्यक्रम अगले रविवार 07 जून को करना प्रस्तावित है । मीटिंग में उपस्थित में आजम अली खां, हबीब खां पुलिस, सत्तार खां पुलिस, रिजवान खां (सदर), मैनुदीन फतेहखानी (सचिव), इनायत खां मोयल (कोषाध्यक्ष), इलियास खां झारिया, अयूब खां पुलिस, इसफाक खां अध्यापक, आबिद खां मंसूर, अकबर शेर खां अध्यापक, शमशेर भालू खां, तुफेल खां, अरशद खां NGJ, हनीफ खां, सत्तार खां अध्यापक, आरिफ खां खांनजानी, इमरान दिलावर, फरयाद खां, डॉ. गफ्फार खां, आरिफ खां पुलिस, गफ्फार खां राणासर अध्यापक, जावेद खां VDO, अयूब खां PHED, मोहसिन खां, विद्युत विभाग, अनवर हबीब खां, सद्दाम दिलावरखानी आदि उपस्थित रहे। बैठक का संचालन मैनुद्दीन खान ने किया, बैठक की अध्यक्षता कर रहे रिजवान खान ने सभी का आभार व्यक्त किया।

ईद-उल-अज़हा की नमाज़ बड़े ही उत्साह एवं उल्लास के साथ पुरानी मरकजी ईदगाह में अदा करवाई

चूरू (रॉयल पत्रिका) । शहर की सबसे पुरानी मरकजी ईदगाह में ईद-उल-अज़हा की नमाज़ अदा की गई। शहर इमाम सैयद मोहम्मद अनवार नदीम- उल -कादरी ने सामूहिक दो रकात नमाज अदा करवाई । नमाज़ के बाद खुत्बा (धार्मिक उपदेश) दिया गया । शहर क़ाज़ी मौलाना अहमद अली शाह ने खुत्बा पढ़ा। शहर इमाम ने अपनी तकरीर में हज़रत इब्राहिम अल्हे इस्लाम के बेटे हज़रत इस्माइल अल्हे इस्लाम के बारे में तफ़सील से बताया और कहा-अल्लाह से मोहब्बत और कुर्बानियों के बारे में कहा इंसान को सिर्फ जानवर जीबा कर सुन्नत अदा नहीं करनी चाहिए । बल्कि उसे अपने मन के अन्दर की बुराई - हसद और जो गंदगी हम एक दूसरे की लिए दिल में रखते हैं हमें उसकी भी कुर्बानी देनी चाहिए । हमें वह सब कुछ त्याग कर देना चाहिए जो बुराई की ओर ले जाता है। आपने कहा कि कुर्बानी की रस्मः नमाज़ मुकम्मल होने के बाद बकरे, भेड़ या अन्य हलाल जानवरों की कुर्बानी दी जाती है। मांस का तीन हिस्सों में वितरणः कुर्बानी के मांस को अनिवार्य रूप से तीन बराबर भागों में बांटा जाता है: पहला हिस्साः अपने स्वयं के परिवार के लिए। दूसरा हिस्साः दोस्तों, पड़ौसियों और रिश्तेदारों के लिए। तीसरा हिस्साः गरीब, जरूरतमंद और बेसहारा लोगों के लिए, ताकि समाज का कोई भी व्यक्ति इस दिन भूखा न रहे। सद्भावना और लोग एक-दूसरे के गले मिलकर "ईद मुबारक" करते हैं और आपसी गिले-शिकवे दूर करते हैं। इस दिन घरों में मटन बिरयानी, कवाब, कीमा और पारंपरिक मिठाइयाँ जैसे शाही टुकड़ा आदि पकवान बनाए जाते हैं। ईद की नमाज़ पढ़ने के बाद सभी लोग ईदगाह के मुख्य दरवाजे से बाहर आते हैं। वहां पर सर्व समाज के अलावा प्रशासनिक अधिकारी एवं राजनीतिज्ञ ईद की मुबारकबाद देते हैं। दिन में चूरू शहर विधायक हरलाल सहारण, भाजपा

जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष अख्तर खान, सत्तार खान, अभिषेक चोटिया, सुरेश सारस्वत मोहनलाल साहू भास्कर शर्मा, निसार गुर्जर, डॉ. एफ एच गोरी, कांग्रेस के पूर्व नगर परिषद सभापति गोविंद महेंद्र सरिया मोहम्मद सेन निर्माण रियाजत खान डॉ. जमील चौहान, रणजीत सातडे वाला, एडवोकेट आसाराम सैनी, मुस्ताक खान, एडवोकेट रामेश्वर लाल रामसरा, रामचंद्र सुंडा, हेमंत सिहाग, हर्ष लाबा, जितेंद्र शर्मा, शिवकुमार शर्मा, विमल शर्मा, बजरंग बाजार मोहनलाल टेलर असलम खोखर, किशोर दाद्, हारून गोरी, मोहम्मद रफीक चौहान, संजय भाटी, जाकिर झरिया वाला, आदि हजारों की संख्याओं में लोगों ने ईद की नमाज़ अदा की । इसी क्रम में आधुना मोहल्ला नई ईदगाह सैयदना में मौलाना लियाकत अली ने ईद की नमाज़ अदा करवाई और अगुना बास ईदगाह में बड़ी संख्याओं में लोगों ने नमाज़ अदा की । इसके अलावा शहर में काफी मस्जिदों में सुबह जल्दी ही ईद की नमाज़ अदा करवाई गई। देश और दुनिया के लिए अमन चैन भाई चारा और सौहार्द बना रहे की दुआएं की गई।

विभागीय पदोन्नति पर समाज ने किया सम्मान समारोह

चूरू (रॉयल पत्रिका) । मोहल्ला ईदगाह द्वारा समाज में विभागीय पदोन्नति से बने अधिकारियों का सम्मान किया गया। रविवार 31 मई 2026 को देर शाम को मोहल्ला ईदगाह रिसालदार कोटड़ी में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । जिसमें मोहल्ला ईदगाह की ओर से विभागीय पदोन्नति से अधिकारी बने प्राध्यापक परवेज़ खान, प्राध्यापक वसीम बाबर, सब इंस्पेक्टर जाकिर खान, ए.एस.आई. रमजान खान बिसाऊ, ए.एस.आई. मोहम्मद आवेश, ए. एस. आई. याकूब खान और हैड कांस्टेबल ईसब अली खान इत्यादि का माल्यार्पण व साफा पहनाकर मोमेंटो भेंट कर अभिनंदन किया गया। मंच पर रिटायर्ड एडिशनल एसपी अयूब खान ने खुदा की तारीफ में खूबसूरत नात पेश की। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शमशाद अली ने मोटिवेशनल स्पीच देते हुए कहा कि युवा अधिकाधिक संख्या में अधिकारी बनकर मुल्क और समाज की तरक्की में अपना अहम योगदान दें । रियाजत खान ने सभी को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं पेश की। मुस्ताक खान कांग्रेस प्रदेश सचिव ने अधिकारियों से समाज में शिक्षा के प्रचार प्रसार का आह्वान किया। भवरु खान ठेकेदार ने शेरो-शायरी के जरिए हौसला बढ़ाया। इस मौके पर कार्यक्रम के आयोजन में मुख्य भूमिका निभाने वाले रिटायर्ड एएसआई अनवर खान, चूरू फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष भाई शकील दुर्रानी और इस्माइल खान ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया और समाज को सकारात्मक संदेश दिया। इस अवसर पर कासम अली खान, इकबाल खान, इस्माइल खान, अब्दुल सत्तार सदर, अब्दुल मन्नान, सलीम पावटा, अली हसन, इमरान दिलावर, जावेद, हामिद रिसालदार सहित बड़ी संख्या में मोहल्लेवासी उपस्थित रहे।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार।

संपर्क करें - 8058969180/9799559096

मुझे अमीर पार्टनर नहीं चाहिए

तान्या मित्तल

तान्या मित्तल रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' की टॉप-इन्फ्लुएंसर और पूर्व बिग बॉस कंटेस्टेंट तान्या मित्तल ने हाल ही में कहा कि वह अमीर पार्टनर नहीं चाहतीं। वह खुद इतनी आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहती है कि अपने पार्टनर की हर बड़ी पैसों से जुड़ी जरूरत को आसानी से पूरा कर सकें। एक इंटरव्यू में तान्या ने कहा, 'मैं जिससे प्यार करती हूं या जिसके साथ हूं, उसके लिए अपना सब कुछ देने को हमेशा तैयार रहती हूं। मैं ऐसा पहले भी कर चुकी हूं और आगे भी करूंगी। मैं नहीं चाहती कि मुझे कोई अमीर पति मिले। अगर मेरे पति के पास कुछ भी न हो, तब भी मुझे कोई फर्क नहीं पड़ेगा।'उन्होंने आगे कहा, 'मैं चाहती हूं कि वह रोज सुबह उठकर मुझसे 10-15 लाख रुपए मांगे और मेरी इतनी क्षमता हो कि मैं उसे हर दिन 10-15 लाख रुपए दे सकूं। मतलब, मैं ऐसी गर्लफ्रेंड/पत्नी बनना चाहती हूं।' तान्या मित्तल जल्द कॉमेडी और कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' में नजर आएंगी। इसमें तान्या अपनी मां सुनीता मित्तल के साथ जोड़ी में दिखेंगी। जब गुल्लू के बारे में पूछा गया, तो तान्या ने कहा था कि दूसरों को हराने के लिए उनका खाना खराब करना गलत है। जब आप खुद पर कॉन्फिडेंट नहीं होते, तब आप दूसरों के साथ ऐसा करते हैं।

ईमानदारी से बनी फिल्म दर्शकों तक जरूर पहुंचती है

जाह्नवी कपूर

आगामी फिल्म 'पेड्डी' को लेकर मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने फिल्म, दर्शकों और साउथ सिनेमा को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म की सफलता उसकी ईमानदारी, मेहनत और अच्छे इरादे पर निर्भर करती है। जाह्नवी कपूर ने समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान कहा, 'अगर कोई फिल्म पूरी ईमानदारी और मेहनत से बनाई जाती है, तो वह अपने दर्शकों तक जरूर पहुंचती है। लोग जल्दी जज कर लेते हैं, लेकिन आखिरकार हम फिल्म दर्शकों के मनोरंजन के लिए बनाते हैं। हम उनके लिए काम करते हैं, इसलिए उनकी भावनाओं और राय को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मेरे लिए दर्शक भगवान की तरह हैं, और हम सिर्फ उनकी सेवा करने की कोशिश करते हैं।' साउथ फिल्मों में अपने अनुभव को साझा करते हुए जाह्नवी ने कहा कि उन्हें तेलुगु फिल्मों में काम करने में काफी मजा आ रहा है। हालांकि, उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब शायद वह मलयालम भाषा में काम करने की कोशिश नहीं करेंगी, क्योंकि यह उनके लिए काफी कठिन है। उन्होंने कहा, 'मलयालम बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन मेरे लिए यह काफी मुश्किल है। तमिल और तेलुगु भाषा से मैं थोड़ा परिचित महसूस करती हूं, इसलिए तेलुगु फिल्मों में काम करना मुझे बेहद पसंद आ रहा है। आगे चलकर मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।' कार्यक्रम के दौरान जाह्नवी कपूर ने अभिनेता राम चरण की लोकप्रियता का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में अमेरिका यात्रा के दौरान उन्हें हर जगह राम चरण का नाम सुनने को मिला। जाह्नवी ने कहा, 'मैं अभी अमेरिका से लौटी हूं, और वहां भारतीयों की पहचान के तौर पर लोग राम चरण का नाम लेते हैं। यहां तक कि इमिग्रेशन पर भी मुझसे पूछा गया कि क्या मैं भारत से अभिनेत्री हूं, और फिर उन्होंने तुरंत कहा- राम चरण!'

'रामायण' से बदला रणबीर कपूर का नजरिया बोले-राहा के लिए बेहतर इंसान बनने की मिली सीख

रणबीर कपूर ने बताया कि जब उन्हें इस किरदार का प्रस्ताव मिला था, तब उनके मन में कई तरह की आशंकाएं थीं। उन्हें लगता था कि क्या वह इतने महान और पूजनीय चरित्र को पर्दे पर सही तरीके से जीवंत कर पाएंगे। एक समय ऐसा भी था जब उन्होंने अपनी क्षमता पर सवाल उठाया और सोचा कि क्या वे इस भूमिका के योग्य हैं। हालांकि, जैसे-जैसे उन्होंने इस प्रोजेक्ट को करीब से समझा, उनकी झिझक और डर उत्साह व लगाव में बदल गए। लंबे समय से अभिनेता रणबीर कपूर अपनी मोस्ट अवेटेड आगामी फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चाओं में बनें हैं। एक्टर ने खुलासा किया है कि इस प्रोजेक्ट में न सिर्फ जीवन प्रति दृष्टिकोण बदला है और बेटी राहा के लिए बेहतर पिता बनने में मदद हुई है। रणबीर कपूर ने भगवान राम की भूमिका निभाने के बारे में बात की। एक्टर ने स्वीकार किया है कि शुरुआत में उन्हें काफी संदेह था कि क्या वे इतने प्रतिष्ठित किरदार के साथ न्याय कर पाएंगे या नहीं। लेकिन समय के साथ यह डर प्रोजेक्ट के प्रति प्रेम में बदल चुका। उन्होंने बताया कि मुझे यह समझ आया कि यह मेरे करियर के लिए कोई निर्णायक कदम नहीं होगा,बल्कि यह निश्चित रूप से मेरे जीवन को बदल देने वाला था। इसने मुझे रामायण को समझने, भगवान राम की यात्रा को समझने के करीब ला दिया। मुझे लगता है कि इसने मेरे जीवन में कई सकारात्मक बदलाव लाए हैं। रणबीर ने कहा कि यह मेरे जीवन का एक प्यारा संयोग था। मेरी बेटी राहा ने मुझे बेहतर इंसान बनाया है और रामायण भी चाहती हैं कि मैं राहा के लिए बेहतर इंसान बन सकूं। निर्देशक नितेश तिवारी द्वारा 'रामायण' में रणबीर कपूर भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे, साई पल्लवी सीता के रुप में, यश रावण के रुप में, रवि दुबे लक्ष्मण के तौर पर और सनी देओल भगवान हनुमान के रुप में नजर आने वाले हैं। बता दें कि, यह फिल्म दो पार्ट में बनाई जा रही है। इसका पहला पार्ट इस साल दीवाली पर रिलीज होने को तैयार है। जबकि इसका दूसरा पार्ट अगले साल दीवाली 2027 पर रिलीज किया जाएगा।

खतरों के खिलाड़ी 15 का नया प्रोमो रिलीज

स्टंट रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' का नया प्रोमो रिलीज हो गया है। मेकर्स ने शो से जुड़ा एक नया प्रोमो रिलीज किया है, जिसमें रोहित शेट्टी की धमाकेदार एंट्री ने लोगों के होश उड़ा दिए हैं। कलर्स चैनल ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर शो का नया प्रोमो शेयर किया है। वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा गया, 'आ रहा है डर का नया दौर, देखिए 'खतरों के खिलाड़ी 15' जल्द ही सिर्फ कलर्स और जियो हॉटस्टार पर। जारी किए गए प्रोमो में शो के होस्ट रोहित शेट्टी अपने खास अंदाज में नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह तेज रफ्तार कार चलाते हुए एक विमान का पीछा करते दिखाई देते हैं। हमेशा की तरह इस बार भी रोहित शेट्टी का दमदार और एक्शन से भरपूर अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। प्रोमो से साफ संकेत मिल रहे हैं कि आने वाला सीजन पहले के मुकाबले ज्यादा चुनौतीपूर्ण और रोमांचक होने वाला है।

अल्फा किलर बनकर दुश्मनों का सफाया करेंगी आलिया भट्ट

वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में दिखेगा खतरनाक रूप

यशराज फिल्म्स की आगामी स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा' को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। फिल्म में अभिनेत्री आलिया भट्ट एक स्पाई की भूमिका निभाती नजर आएंगी। प्रोडक्शन टीम के करीबी सूत्रों ने बताया कि अभिनेत्री आलिया भट्ट एक दमदार और घातक किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने कहा, 'वह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में 'अल्फा किलर' की भूमिका में दिखाई देंगी, जिसे केवल दुश्मनों का सफाया करने के लिए तैयार किया गया है और विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।' सूत्रों के मुताबिक, वाईआरएफ के प्रमुख आदित्य चोपड़ा इस बार दर्शकों के सामने एक बिल्कुल नया और आकर्षक नायक प्रस्तुत करना चाहते हैं, जिसे लोग उसके सही या गलत कार्यों के आधार पर न आंकें, बल्कि उसे ऐसे व्यक्ति के रूप में देखें जो अपनी शर्तों पर जीवन जीता है और वही करता है जो उसे सही लगता है। सूत्रों ने बताया, 'आज के समय में नायक-नायिका को देखने का यह एक बिल्कुल नया नजरिया है, क्योंकि दर्शक पर्दे पर रोमांचक और मनोरंजक किरदार देखना चाहते हैं। 'अल्फा' में आलिया का किरदार भी कुछ ऐसा ही होगा।' उन्होंने आगे कहा, 'इस फिल्म के जरिए आदित्य चोपड़ा अपने स्पाई यूनिवर्स में एक बड़ा रचनात्मक बदलाव करने जा रहे हैं, जिसकी इस फ्रेंचाइजी को काफी समय से जरूरत थी। यह पहली बार होगा जब इस यूनिवर्स की कोई फिल्म पूरी तरह एक महिला प्रमुख किरदार के दमदार एक्शन और उसकी कहानी पर आधारित होगी। 'वाईआरएफ के प्रवक्ता ने एक इंटरव्यू में कहा, 'हम फिलहाल केवल इतना ही कह सकते हैं कि सभी को 'अल्फा' के पहले टीजर या झलक का इंतजार करना चाहिए। इस समय हम इन चर्चाओं की न तो पुष्टि कर सकते हैं और न ही इनसे इनकार कर सकते हैं। 'यश राज फिल्म्स की बहुचर्चित स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला-प्रधान फिल्म 'अल्फा' में आलिया भट्ट के साथ शरवरी वाघ भी मुख्य भूमिका में हैं, जबकि बॉबी देओल इसमें मुख्य खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे।

सेलिना जेटली की बढ़ी मुश्किलें

पति-ससुर ने भेजा नोटिस

अभिनेत्री सेलिना जेटली की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। तलाक और बच्चों की कस्टडी को लेकर चल रहे विवादों के बीच उन्हें पति पीटर हाग और ससुर डीआई वोल्फगैंग जे. हाग ने दो अलग-अलग कानूनी नोटिस भेजे हैं। मुंबई स्थित विधि फर्म सेमवाल एंड कंपनी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि ये नोटिस सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और कई मीडिया माध्यमों में प्रसारित की जा रही उन बातों के संबंध में जारी किए गए हैं, जिन्हें हाग परिवार ने भ्रामक, असत्य और मानहानिकारक बताया है। जानकारी के अनुसार, पहला नोटिस पीटर हाग के पिता डीआई वोल्फगैंग जे. हाग की ओर से भेजा गया है, जबकि दूसरा नोटिस स्वयं पीटर हाग ने अपने और अपने तीन नाबालिग बच्चों के हितों की सुरक्षा के लिए जारी किया है। परिवार का कहना है कि पिछले कुछ समय से उनके खिलाफ सार्वजनिक मंचों पर कई ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं, जिनका वास्तविक तथ्यों से कोई संबंध नहीं है। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि पीटर हाग और सेलिना जेटली के बीच वैवाहिक विवाद और बच्चों की कस्टडी से जुड़े मामले वर्तमान में ऑस्ट्रिया की अदालतों में विचाराधीन हैं। हाग फैमिली को लेकर गंभीर आरोप लगाए गए। हाग फैमिली का कहना है कि उन्होंने लंबे समय तक सार्वजनिक प्रतिक्रिया देने से परहेज किया, क्योंकि वे चाहते थे कि पारिवारिक और बच्चों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों का समाधान कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से हो। हालांकि, उनके अनुसार लगातार लग रहे सार्वजनिक आरोपों और मीडिया में उनके प्रसार के चलते अब कानूनी कदम उठाना जरूरी हो गया था। नोटिस में उन आरोपों का विशेष रूप से खंडन किया गया है, जिनमें पीटर हाग को हिंसक, अपमानजनक, भावनात्मक रूप से प्रताड़ित करने वाला या डराने-धमकाने वाला व्यक्ति बताया गया है। इसके अलावा, बच्चों को छिपाने, उनकी सोच को प्रभावित या ब्रेनवॉश करने, उत्पीड़न करने और धर्म से जुड़े कुछ आरोपों को भी परिवार ने पूरी तरह निराधार बताया है। हाग फैमिली ने सबसे अधिक चिंता बच्चों की प्राइवेसी और मानसिक स्थिति को लेकर जताई है। नोटिस में यह भी कहा गया है कि कथित रूप से प्रसारित की गए कुछ कंटेंट मानहानि, निजता के उल्लंघन और न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की श्रेणी में आ सकते हैं। इसी आधार पर संबंधित पक्षों से आपत्तिजनक कंटेंट हटाने, ऐसे पोस्ट को रोकने, सार्वजनिक स्पष्टीकरण जारी करने और बिना शर्त माफी की मांग की गई है। , 'महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानून समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं, लेकिन किसी भी शादी से संबंधित विवाद को बिना पुष्टि के आरोपों और सार्वजनिक अभियानों के जरिए मीडिया ट्रायल में बदलना उचित नहीं है। कानूनी प्रक्रियाओं का उद्देश्य न्याय सुनिश्चित करना होना चाहिए, न कि किसी व्यक्ति की समाज में छवि को नुकसान पहुंचाना।' परिवार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि नोटिस में उल्लिखित मांगों का पालन नहीं किया गया तो वे आगे आपराधिक कानूनी कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। हाग फैमिली के अनुसार, उनकी प्राथमिकता बच्चों की सुरक्षा, सम्मान, मानसिक स्वास्थ्य और निजता बनाए रखना है। मामला ऑस्ट्रिया की अदालतों में लंबित है, इसलिए इस समय वे सार्वजनिक रूप से इससे अधिक टिप्पणी नहीं करेंगे।

(साभार एजेंसी)

कोहली का जलवा, फिर से आरसीबी ही आईपीएल की किंग

- गुजरात के गढ़ में रॉयल चैलेंजर्स की ऐतिहासिक जीत पांच विकेट से जीता फाइनल
- बेंगलुरु आईपीएल इतिहास की तीसरी टीम बनी, जिन्होंने लगातार दो बार ट्रॉफी जीती
- आरसीबी से पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने 2010 और 2011 में ये कारनामा किया था
- मुंबई इंडियंस ने 2019 और 2020 में अपनी ट्रॉफी को डिफेंड किया था।
- वैभव को ऑरेंज कैप मिला, 16 मैचों में 776 रन बनाए

2025 में पहली बार चैंपियन बनने के बाद टीम ने 2026 में भी खिताब जीतकर अपने सुनहरे दौर को आगे बढ़ाया

भाषा ▶▶| अहमदाबाद

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद विराट कोहली (नाबाद 75 रन) के अर्धशतक से रविवार को यहां इंडियंन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के फाइनल में गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरा खिताब अपने नाम कर खचाखच भरे नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में अपने दर्शकों को खुशियां मनाने का मौका दिया। आरसीबी ने अपने आक्रामक खेल से टूर्नामेंट में शुरू से ही दबदबा बनाए रखा और इसका समापन एक और ट्रॉफी से किया। आरसीबी ने पिछले चरण में 18 साल बाद पहली आईपीएल ट्रॉफी जीती थी और रविवार को कोहली ने छक्का लगाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। टॉस जीतकर गेंदबाजी करने वाली आरसीबी के गेंदबाजों ने धीमी पिच का पूरा फायदा उठाते हुए गुजरात टाइटन्स को आठ विकेट पर 155 रन ही बनाने दिए। छह दिन में तीसरे स्थल पर तीसरा मैच खेल रही गुजरात टाइटन्स पर थकान हावी दिखी। इसके बाद कोहली (42 गेंद, नौ चौके और तीन छक्के) और वेंकटेश अय्यर (32 रन) की अच्छी शुरूआत दिलाई जिससे आरसीबी 18 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन बनाकर मुंबई इंडियंस (पांच ट्रॉफी) और चेन्नई सुपर किंग्स (पांच ट्रॉफी) के बाद लगातार खिताब जीतने वाली तीसरी टीम बन गई। कोहली ने पैर में हो रही दिक्कत के बावजूद आईपीएल में अपना सबसे तेज अर्धशतक जड़ा, उन्होंने 25 गेंद में सात चौके और दो छक्के से पचास रन पूरे किए। फिजियो जांच करने के बाद दो बार मैदान में उनके लिए मैदान में आए, पर वह दर्द को भुलाकर अपनी टीम को जीत तक पहुंचाने में डटे रहे। नरेन्द्र मोदी स्टेडियम की लाल और काली मिट्टी के मिश्रण वाली पिच पर शॉट खेलना बिलकुल भी आसान नहीं था जो गुजरात टाइटन्स की बल्लेबाजी को देखकर साफ झलक रही थी जिससे आरसीबी के लिए रसिख सलाम ने तीन जबकि भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड ने दो दो विकेट चटकाए। कृणाल पंड्या ने 23 रन देकर एक विकेट झटका। लक्ष्य इतना बड़ा नहीं था। कोहली और अय्यर ने पहले सतर्क शुरूआत करते हुए हाथ खोले जिससे पहले ओवर में पांच रन बने। दूसरे ओवर में अय्यर ने रबाडा की पहली गेंद को कवर प्वाइंट पर चौके के लिए भेजा और तीसरी गेंद को वाइड मिड विकेट पर छक्के के लिए भेज दिया। अगली गुड लेंथ गेंद पर उन्होंने मिड ऑफ पर चौका जड़ दिया और ओवर का अंत विकेटकीपर के ऊपर चौके से किया। इस ओवर में 18 रन बने। तीसरे ओवर में कोहली ने मोहम्मद सिराज पर डीप फाइन लेग और डीप स्क्वायर लेग पर दो चौके लगाए। अय्यर ने भी डीप मिडविकेट पर चौका बटोरकर इस ओवर से टीम के खाते में 13 रन जोड़ने में मदद की।

विराट कोहली बने मैन आफ द मैच

गुजरात-155/8 (20)

खिलाड़ी	रन
सुदर्शन का जितेश बो भुवनेश्वर	12
शुभमन का पाटीदार बो हेजलवुड	10
निशांत का पाटीदार बो रसिख	20
बटलर स्ट जितेश बो कृणाल	19
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	50
अरशद का रसिख बो हेजलवुड	15
राहुल का पाटीदार बो रसिख	07
होल्डर का हेजलवुड बो भुवनेश्वर	07
राशिद का शेफर्ड बो रसिख	07
कागिसो रबाडा नाबाद	03

अतिरिक्त : 05

कुल योग : 20 ओवर में आठ विकेट पर 155 रन

विकेट पतन : 1-22, 2-26, 3-55, 4-73, 5-99, 6-115, 7-142, 8-151

गेंदबाजी : जैकब डफी 4-0-38-0, भुवनेश्वर कुमार 4-0-29-2, जोश हेजलवुड 4-0-37-2, रसिख सलाम 4-0-27-3, कृणाल पंड्या 4-0-23-1

बेंगलुरु-161/5 (18)

खिलाड़ी	रन
अय्यर का रबाडा बो सिराज	32
विराट कोहली नाबाद	75
देवदत्त का अरशद बो रबाडा	01
रजत का रबाडा बो राशिद	15
कृणाल पंड्या पगबाधा बो राशिद	01
टिम का बटलर बो अरशद खान	24
जितेश शर्मा नाबाद	11

अतिरिक्त : 02

कुल योग : 18 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन

विकेट पतन : 1-62, 2-63, 3-89, 4-91, 5-132

गेंदबाजी : सिराज 4-0-36-1, रबाडा 3-0-44-1, जेसन होल्डर 2-0-16-0, राशिद खान 4-0-25-2, अरशद खान 4-0-32-1, प्रसिद्ध कृष्णा 1-0-7-0

खबर संक्षेप

विमेंस कैटेगरी में नंबर-1 पर दिव्या, गुकेश की वापसी

ओस्लो। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में अपने हमवतन आर प्रज्ञानानंदा को क्लासिकल मुकाबले में हराकर पूरे तीन अंक हासिल किए और खिताब की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा जबकि महिला वर्ग में दिव्या देशमुख शीर्ष पर पहुंच गई। इस बीच मौजूदा चैंपियन मैग्नस कार्लसन की मुश्किलें और बढ़ गईं क्योंकि उन्हें अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो से हार का सामना करना पड़ा। इससे वह पांच राउंड के बाद छह खिलाड़ियों की तालिका में सबसे नीचे आ गए। वेस्ली सो इस जीत से 8.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

एशिया कपः भारत ने कोरिया को हराया

काकामिगाहारा। भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अंडर-18 एशिया कप के पूल ए के अपने दूसरे मैच में कोरिया को 3-1 से पराजित किया। भारत की तरफ से नौशीन नाज़, श्रुति कुमारी और किरण एक्का ने गोल किए। इस तरह से पहले दिन मलेशिया को हराने वाली भारतीय टीम ने अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा।

गैब्रियल की उड़ती किक से टूटा आर्सेनल का सपना

सेलिब्रेशन में तोड़फोड़ और आगजनी, सैकड़ों दर्शक गिरफ्तार, सुरक्षाकर्मी घायल

पेनल्टी शूटआउट में जीतकर पीएसजी बनी यूरोपीय चैंपियन

आर्सेनल को 4-3 से हराकर पीएसजी ने लगातार दूसरी बार जीता खिताब

एजेंसी ▶▶| बुडापेस्ट

पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने एक रोमांचक फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में आर्सेनल को हराकर लगातार दूसरी बार चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब जीता। बुडापेस्ट में खेले गए फाइनल में अतिरिक्त समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबर था, जिसके बाद पीएसजी ने पेनल्टी शूटआउट में आर्सेनल को 4-3 से हराकर लगातार दूसरी बार यूरोपीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। आर्सेनल के डिफेंडर गैब्रियल मैगाल्हेस ने अपनी टीम की आखिरी पेनल्टी को गोलपोस्ट के ऊपर मार दिया, जिससे पीएसजी को शूटआउट में जीत मिल गई।

28 साल बाद भी सपना पूरा नहीं कर सकी आर्सेनल

आर्सेनल का पहली बार यूरोप का सबसे प्रतिष्ठित खिताब जीतने का सपना एक बार फिर अधूरा रह गया। गौरतलब है कि आर्सेनल साल 1998 से चैंपियंस लीग में खेल रही है। इससे पहले उसे 2006 के फाइनल में बार्सिलोना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। अब 28 साल बाद भी क्लब का पहला चैंपियंस लीग खिताब जीतने का इंतजार जारी है।

ट्रॉफी बरकरार रखने वाली दूसरी टीम

फ्रांस की यह दिग्गज टीम इस प्रतियोगिता में सर्वाधिक बार की चैंपियन रियाल मैड्रिड के बाद आधुनिक युग में ट्रॉफी बरकरार रखने वाली केवल दूसरी टीम है। लुई एनरिक ने कोच के तौर पर तीसरी बार खिताब जीता है। उन्होंने एक ऐसी टीम तैयार की है, जिसे हराना महाद्वीप की सर्वश्रेष्ठ टीमों के लिए भी काफी मुश्किल है।

जल उठी फ्रांस की राजधानी

फ्रांस की राजधानी पेरिस इस जीत के बाद जल उठी। पूरा शहर धुआं धुआं हो गया। इस जीत के जश्न पर समर्थकों और पुलिस के बीच हुई झड़प हो गई। शहर भर में आगजनी हुई और दर्जनों लोगों को गिरफ्तार किया गया।

आंसू गैस का इस्तेमाल

टेलीविजन फुटेज में फैन्स को पटाखे चलाते, फ्लेयर्स जलाते और बड़ी संख्या में इकट्ठा होते देखा गया। पुलिस ने कुछ इलाकों में भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया, जबकि स्टेडियम और शहर के अन्य हिस्सों के आस-पास छोटी-मोटी झड़पों की भी खबरें आईं। पेरिस पुलिस ने 130 से ज़्यादा लोगों को गिरफ़्तार कर लिया था।

22 हजार पुलिस अधिकारी तैनात

फ्रांस ने बड़े पैमाने पर होने वाले जश्न की आशंका को देखते हुए पूरे देश में 22 हजार पुलिस अधिकारियों को तैनात किया था। ऐसा उसने एक साल पहले पीएसजी की पहली चैंपियंस लीग जीत के बाद हुई अशांति को ध्यान में रखते हुए किया था।

फ्रेंच ओपन : पहली बार क्वार्टर फाइनल में कोस्त्युक, स्वियातेक को हराया

एजेंसी ▶▶| पेरिस

मार्टा कोस्त्युक ने चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। कोस्त्युक ने इस सत्र में अभी तक क्ले कोर्ट पर कोई मैच नहीं गंवाया है। इससे पहले स्वियातेक के खिलाफ उन्हें तीन मैच में हार का

सामना करना पड़ा था। यहां तक की उन्होंने विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ अभी तक एक सेट भी नहीं जीता था। रविवार को अपना 25वां जन्मदिन मना रही स्वियातेक ने पहले सेट में अच्छी चुनौती पेश की लेकिन इसके बाद कोस्त्युक हावी हो गई और सीधे सेटों में जीत दर्ज करके पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रही। स्वियातेक ने 2024 में फ्रेंच ओपन जीता था लेकिन उसके बाद वह क्लेकोर्ट पर कोई खिताब नहीं जीत पाई।

पहली बार क्वार्टर फाइनल में क्रिस्टिया

सत्र के अंत में संन्यास लेने की योजना बना रही रोमानियाई अनुभवी खिलाड़ी सोराना क्रिस्टिया ने चीन की क्वालीफायर वांग जियू को 6-3, 7-6 (4) से हराकर अपने दूसरे रोलां गैरां क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस तरह उन्होंने 17 साल बाद पहली बार अंतिम आठ में जगह बनाई।

कोको गॉफ का अभियान समाप्त

मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ का फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल में खिताब का बचाव करने का सफर तीसरे दौर में ही थम गया लेकिन नाओमी ओसाका ने अपना शानदार अभियान जारी रखा। गॉफ को इस मैच में एक ऐसी खिलाड़ी ने पराजित किया, जिसने लंबी बेसलाइन रैलियों और कोर्ट कवरेज में इस अमेरिकी खिलाड़ी का डटकर मुकाबला किया। यह खिलाड़ी अनास्तासिया पोटापोवा थीं, जिन्होंने शनिवार को तीसरे दौर में गॉफ पर 4-6, 7-6 (1), 6-4 से जीत हासिल की। इससे पहले ओसाका ने अपने 100वें ग्रैंड स्लैम मैच में लगभग तीन घंटे में 18 वर्षीय अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी इवा जोविक को 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 से हराया। ओसाका का अगला मुकाबला नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका से होगा।

एशियाई खेल चयन ट्रायल्स में हरियाणा के पहलवान छाए

दीपक, अमन, सुनील और सुजीत ने टीम में बनाई जगह

रोहतक

सितंबर-अक्टूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय कुश्ती टीम के चयन ट्रायल्स रविवार को भारतीय खेल प्राधिकरण (साईं) सेंटर लखनऊ में संपन्न हुए। इसमें सभी खिलाड़ी हरियाणा के हैं।

ये रहे विजेता

▶▶ 97 किलोग्राम वर्ग: दीपक पुनिया ने नए भार वर्ग में शानदार शुरुआत करते हुए फाइनल मुकाबले में जॉइंटी कुमार को 7-0 से एकतरफा शिकस्त दी और एशियाई खेलों का टिकट पक्का किया।

▶▶ 57 किलोग्राम वर्ग: पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत ने अपना दबदबा कायम रखा। उन्होंने फाइनल में राहुल को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 11-1 से करारी शिकस्त दी।

▶▶ 65 किलोग्राम वर्ग: एशियाई चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता सुजीत कलकल ने एक बेहद करीबी और रणनीतिक मुकाबले में विशाल कालीरामन को 2-0 से हराकर जीत दर्ज की।

▶▶ 74 किलोग्राम वर्ग: सागर जगलान ने जयदीप के खिलाफ कड़े मुकाबले में 8-6 से जीत हासिल कर अपनी जगह पक्की की।

▶▶ 86 किलोग्राम वर्ग: मुकुल ने अमित को एक रोमांचक मैच में 4-2 से पराजित किया।

▶▶ 125 किलोग्राम वर्ग: रजत राहुल ने दिनेश को 10-6 के स्कोर से हराकर एशियाई खेलों का टिकट हासिल किया।

▶▶ 87 किलोग्राम ग्रीको रोमन में सुनील का चयन हुआ।

इंडोनेशिया के अल्फियन और फिकरी की जोड़ी को हराया

सिंगापुर ओपनः सात्विक-चिराग बने चैंपियन

एजेंसी ▶▶| सिंगापुर

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पूर्व विश्व नंबर एक जोड़ी ने पुरुष युगल फाइनल में इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी की जोड़ी को हराकर अपना पहला सिंगापुर ओपन बैडमिंटन खिताब जीता।

एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन इस भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए दो वर्षों में अपना पहला खिताब जीता। यह उनके करियर का नौवां बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब है। भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में पिछड़ने के बाद रोमांचक मुकाबले में 18-21, 21-17, 21-16 से जीत दर्ज करते हुए सुपर 750 स्तर का अपना तीसरा खिताब भी हासिल किया।

जीत के बाद कोर्ट पर किया डांस

जीत का निर्णायक अंक हासिल होते ही सात्विक और चिराग जश्न मनाने के लिए कोर्ट पर लेट गए। इसके बाद सात्विक ने बच्चों जैसी खुशी का प्रदर्शन किया, जबकि उत्साहित चिराग ने जोरदार दहाड़ लगाई और अपने साथी पर कूद पड़े। बाद में दोनों खिलाड़ियों ने कोर्ट पर नृत्य किया और पोडियम के शीर्ष पायदान पर लंबे समय बाद वापसी का भरपूर आनंद लिया।

दो साल के खिताबी सूखे को किया खत्म

पहले गेम पिछड़ने के बाद बढ़ाई गति

कड़े मुकाबले वाले पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद भारतीय जोड़ी ने अपने खेल की गति बढ़ाई और लंबी रैलियों में दबदबा बनाते हुए विश्व नंबर तीन इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ मुकाबले का रुख पलट दिया। यह जीत भारतीय जोड़ी के लिए शानदार सप्ताह का समापन भी रही।

सिंगापुर ओपन जीतने वाली बनी पहली भारतीय पुरुष जोड़ी

विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज इस भारतीय जोड़ी के लिए यह जीत विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही, क्योंकि वे सिंगापुर ओपन में पुरुष युगल खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने। सात्विक और चिराग ने पिछली बार 2024 में थाईलैंड ओपन का खिताब जीता था। तब से वे चार फाइनल में पहुंचे थे लेकिन हर बार उपविजेता रहे। सिंगापुर में जीत के साथ उन्होंने खिताबी सूखे को भी समाप्त कर दिया। फाइनल से पहले भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की इस जोड़ी के खिलाफ खेले गए तीन मुकाबलों में से दो में हार का सामना करना पड़ा था। इस प्रतिद्वंद्वी जोड़ी के खिलाफ उनकी पिछली हार जनवरी में मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में हुई थी।

सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कार्यभार संभालते ही कहा- स्वदेशी हथियारों के विकास और तीनों सेनाओं के इंटीग्रेशन पर तेजी से करेंगे काम

एआई फोटो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान और चीन मामलों के एक्सपर्ट के रूप में मशहूर जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने रविवार को भारत के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्हें महत्वाकांक्षी मिलिट्री थिएटराइजेशन प्लान को लागू करने और तीनों सेनाओं के बीच समन्वय को मजबूत करने का प्राथमिक दायित्व दिया गया है। जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने जनरल अनिल चौहान की जगह ली है, जिन्होंने शनिवार को देश के सर्वोच्च सैन्य कमांडर के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद पद को छोड़ा है। बता दें कि मिलिट्री थिएटराइजेशन प्लान भारतीय सशस्त्र बलों (थल सेना, नौसेना और वायु सेना) को एक साझा भौगोलिक क्षेत्र के तहत एकीकृत करने की एक महत्वाकांक्षी रक्षा सुधार योजना है। इसके तहत वर्तमान में अलग-अलग काम करने वाली 17 सिंगल-सर्विस कमानों को मिलाकर तीन प्रमुख एकीकृत थिएटर कमांड में तब्दील किया जा रहा है, ताकि युद्ध या आपातकाल के समय तीनों सेनाएं एक ही कमांडर के नेतृत्व में मिलकर त्वरित और अचूक कार्रवाई कर सकें। तत्कालीन चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान के नेतृत्व में इस योजना के अंतिम प्रस्ताव को मंजूरी की प्रक्रिया में लाया गया है, जिसे भारत की सैन्य रणनीति का अब तक का सबसे बड़ा पुनर्गठन माना जा रहा है।

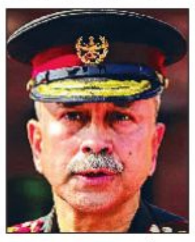

तीनों सेनाओं का तालमेल बढ़ाने पर होगा फोकस

बता दें कि जनरल सुब्रमणि, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के तौर पर कार्यरत थे। पिछले साल 31 जुलाई को सेना उप प्रमुख के पद से जनरल सुब्रमणि रिटायर हुए थे। सीडीएस का पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, जनरल सुब्रमणि ने कहा कि सशस्त्र बलों का रूपांतरण, तीनों सेनाओं के बीच समन्वय और एकीकरण को बढ़ाने के लिए संगठनात्मक सुधार उनका प्राइमरी टारगेट होगा।

स्वदेशी हथियार पर रहेगा जोर

सीडीएस जनरल सुब्रमणि ने यह भी कहा, हम अपने सशस्त्र बलों में स्वदेशी हथियार सिस्टम के डेवलपमेंट, उनको सेना में शामिल करने और सेनाओं के एकीकरण की दिशा में में तेजी काम करेंगे। हमारी सेनाओं ने राष्ट्रीय हितों की रक्षा में लगातार प्रोफेशनलिस्म और निर्णायक क्षमता का प्रदर्शन किया है। हम अपने भारत की संप्रभुता बनाए रखने और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

साहस के साथ करेंगे देश की सेवा

जनरल सुब्रमणि ने आगे कहा, 'मैं भारत के नागरिकों को आश्वासन देना चाहता हूं कि सशस्त्र बल, समर्पण, साहस, सम्मान और प्रोफेशनलिस्म के साथ देश की सेवा करना जारी रखेंगे।

सीडीएस को अलग-अलग तरह के संघर्षों और भू-भागों का है अनुभव

अपने 40 साल से ज्यादा के करियर में, जनरल सुब्रमणि ने अलग-अलग तरह के संघर्षों और भू-भागों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। साथ ही, कमांड, स्टाफ और प्रशिक्षण से जुड़े कई पदों पर रह चुके हैं। जनरल सुब्रमणि ने 1 जुलाई, 2024 से 31 जुलाई, 2025 तक सेना के उप प्रमुख के तौर पर और मार्च, 2023 से जून, 2024 तक सेंट्रल कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्य किया है।

खबर संक्षेप

बिना पायलट का शिकारी विमान! करेगा विध्वंश

नईदिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा सहयोग अब सिर्फ पारंपरिक सैन्य अभ्यासों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि भविष्य की अत्याधुनिक हवाई युद्ध तकनीक की ओर भी तेजी से बढ़ रहा है। इसी दिशा में हुए 12वें एयर स्टाफ टॉक्स के दौरान बोइंग का एमक्यू-28 घोस्ट बेट एक बड़े आकर्षण के रूप में सामने आया, जिसने भविष्य के एयर कॉम्बैट सिस्टम को लेकर दोनों देशों की साझा रुचि को उजागर किया। इस विमान को लेकर भारत और आस्ट्रेलिया दोनों ही देशों में उत्साह देखा जा रहा है।

आज पीएम मोदी मिलेंगे म्यांमार के राट्रपति से

नई दिल्ली। म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग आज सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ व्यापक वार्ता करेंगे, जिसमें सीमा सुरक्षा, कनेक्टिविटी परियोजनाएं, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता दोनों पड़ोसी देशों के बीच चर्चा में प्रमुखता से शामिल होने की उम्मीद है। म्यांमार के नेता शनिवार को पांच दिवसीय आधिकारिक दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे, यह उनकी वर्तमान क्षमता में भारत की पहली यात्रा है, जो पड़ोस और हिंद-प्रशांत रणनीति में स्थान रखने वाले देश के साथ नई दिल्ली की निरंतर भागीदारी रहेगी।

चीन की मिसाइल से ईरान में गिरा अमेरिकी विमान

नई दिल्ली। ईरान के दक्षिण-पश्चिमी इलाके में पिछले महीने दुर्घटनाग्रस्त हुए अमेरिकी एफ-15 फाइटर जेट को लेकर बड़ा खुलासा सामने आया है। एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस लड़ाकू विमान को चीन निर्मित शोल्डर-फायर्ड मिसाइल से निशाना बनाया गया हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने ईरान को संघर्ष के दौरान अतिरिक्त सैन्य सहायता भी दी हो सकती है। इसमें स्टेल्थ एयरक्राफ्ट तकनीक और लंबी दूरी की रडार प्रणालियां भी शामिल की गई हैं।

फरवरी में बनी थी ट्रेड डील की रूपरेखा

भारत-अमेरिका के बीच फाइनल ट्रेड डील: आज से बैठक, टैरिफ-तेल और रक्षा समझौतों पर लगेगी मुहर?

दोनों देश पहले चरण के अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने के साथ-साथ दीर्घकालिक व्यापक व्यापार समझौते के लिए कानूनी और नीतिगत ढांचे पर भी चर्चा करेंगे।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बदला समीकरण

जानकारों ने कहा- ये प्रस्ताव भारत के हित में है

एआई फोटो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है, अब केवल इस डील पर ऑफिशियल मुहर लगनी बाकी है। दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी आज यानी 1 जून से नई दिल्ली में चार दिनों तक बैठक करेंगे। इस बैठक में दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने पर चर्चा होगी। भारत की तरफ से इस डील में नेतृत्व वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और मुख्य वार्ताकार दर्पण जैन करेंगे। वहीं अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच करने वाले हैं। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, बैठक में कई अहम विषयों पर बातचीत होगी। भारत और अमेरिका ने 7 फरवरी 2026 को एक संयुक्त बयान जारी कर अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा तय की थी। इसके तहत दोनों देशों ने चरणबद्ध तरीके से व्यापारिक बाधाएं कम करने और टैरिफ में राहत देने पर सहमति जताई थी। समझौते के तहत अमेरिका ने भारत पर लगाए गए शुल्कों में कटौती करने का आश्वासन दिया था। अमेरिका ने पहले भारत से आयात होने वाले कई उत्पादों पर 50% तक शुल्क लगाया था, जिसे घटाकर 18% करने की बात कही गई थी। इसके अलावा रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर भारतीय उत्पादों पर लगाए गए 25% अतिरिक्त शुल्क को भी हटाने और शेष शुल्क को 18% तक सीमित करने का प्रस्ताव था। अमेरिका की घरेलू राजनीति और टैरिफ नीति में बदलाव के कारण वार्ताओं की दिशा प्रभावित हुई। 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पॉवर्स एक्ट के तहत लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ को चुनौती देने वाले मामले में फैसला सुनाया। इसके बाद ट्रंप प्रशासन ने 24 फरवरी से सभी देशों पर 150 दिनों के लिए 10% समान शुल्क लागू करने की घोषणा कर दी। इस फैसले के बाद फरवरी में प्रस्तावित भारत-अमेरिका वार्ता टल गई थी। ट्रेड डील पर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए अप्रैल 2026 में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने वॉशिंगटन की यात्रा की और बात को आगे बढ़ाया।

भारत की ओर से बड़े प्रस्ताव

- भारत ने व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों और कई कृषि वस्तुओं पर शुल्क घटाने या समाप्त करने का प्रस्ताव रखा है। जिसमें डिस्टिलर्स ड्राइड ग्रेन्स,
- रेड सोरघम (पशु आहार), ट्री नट्स, ताजे और प्रोसेस्ड फल, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट्स इसके बदले भारत ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से लगभग 500 अरब डॉलर मूल्य के उत्पाद खरीदने की इच्छा जताई है। इसी तरह ऊर्जा उत्पाद, विमान और विमान कलपुर्जे, बहुमूल्य धातुएं, प्रौद्योगिकी उत्पाद, कोकिंग कोल आदि को लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि यह प्रस्ताव दोनों देशों के बीच रणनीतिक आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाई दे सकता है।

भारत का निर्यात 87.3 अरब डॉलर पहुंचा

- अमेरिका वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनकर सामने आया। भारत का अमेरिका को निर्यात बढ़कर 87.3 अरब डॉलर पहुंच गया।
- अमेरिका से आयात 15.95% बढ़कर 52.9 अरब डॉलर रहा। भारत का व्यापार अधिशेष घटकर 34.4 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 40.89 अरब डॉलर था।
- विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका के सभी देशों पर समान 10% शुल्क लागू किए जाने के बाद वैश्विक व्यापार प्रतिस्पर्धा का नया माहौल बन गया है। ऐसे में भारत और अमेरिका दोनों अपने-अपने हितों के हिसाब से समझौते की शर्तों में बदलाव कर सकते हैं।

ये हैं बातचीत के मुद्दे

- बाजार पहुंच
- गैर-शुल्क बाधाएं
- सीमा शुल्क और व्यापार सुविधा
- निवेश प्रोत्साहन
- आर्थिक सुरक्षा सहयोग
- सप्लाई चेन से जुड़ी रणनीतिक साझेदारी

पीट हेगसेथ ने तेहरान को दी कड़ी चेतावनी

ईरान-अमेरिका युद्ध: समझौता करो या युद्ध के लिए ही बात करो

ईरान ने अमेरिका के परमाणु डील के प्रस्ताव को नकारा, इससे बढ़ी नाराजगी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

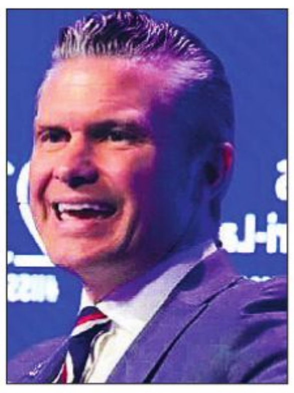

ईरान ने ट्रंप के परमाणु डील के प्रस्ताव को नकार दिया है। लेकिन परमाणु वार्ता पर अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने धमकी भरे लहजे में कहा, ईरान हमारी दिशा में आगे बढ़ रहा है और बातचीत फलदायी रही है, उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, वह या तो अब किसी समझौते के माध्यम से ऐसा कर सकता है या युद्ध विभाग के साथ समझौता कर सकता है।

प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान होर्मुज पर अपने नियंत्रण और प्रबंधन को औपचारिक रूप देने के लिए एक कानून पर काम कर रहा है, जो अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते में एक अहम मुद्दा है। वहीं दूसरी तरफ ईरानी सांसद अलीरेज़ा सलीमी के हवाले से कहा गया है कि होर्मुज को लेकर इस तरह के कानून के लिए बनाए जा रहे एक विधेयक पर जल्द ही मतदान कराया जाएगा। ईरान ने शनिवार को कहा कि उसने क़ेशम द्वीप के ऊपर एक घुसपैठिए ड्रोन को रोका। रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सेना ने एक बयान में कहा कि आक्रामक अमेरिकीइजरायली दुश्मन से संबंधित एक छोटा और हल्का ड्रोन' का पता लगाया गया और सेना वायु रक्षा बल द्वारा उसे मार गिराया गया।

बंदरगाह में घुसने वाले शिप को रोका गया

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सेना ने एक और व्यापारिक पोत को रोका है, जिसने कथित तौर पर अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर लगाई गई नाकाबंदी को तोड़ने का प्रयास किया था। बताया जा रहा है कि गाम्बिया के ध्वज वाले मालवाहक पोत लियान स्टार ने रात भर ईरानी बंदरगाह में प्रवेश करने की कोशिश करते हुए अमेरिकी सेना की बार-बार दी गई चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया। अधिकारी ने बताया कि बाद में ओमान की खाड़ी में अमेरिकी विमानों ने पोत को निष्क्रिय कर दिया और वह वर्तमान में उसी क्षेत्र में बह रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कोई भी अमेरिकी कर्मी पोत पर नहीं चढ़ा है।

दिन-रात चलाया ऑपरेशन

कसौली की आग बुझाने में जुटी वायुसेना,चल रहा बड़ा अभियान

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल प्रदेश के कसौली क्षेत्र में लगी भीषण जंगल की आग को नियंत्रित करने के लिए भारतीय वायु सेना ने दिन-रात लगातार हवाई अग्निशमन अभियान चलाया। वायुसेना ने एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टरों की मदद से प्रभावित क्षेत्र में 93,000 लीटर से अधिक पानी का छिड़काव कर आग को व्यापक विनाश का रूप लेने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वायुसेना को 26 मई को कसौली के निकट जंगल में आग लगने की सूचना मिली थी। स्थिति का आकलन करने के लिए तत्काल एक चीता हेलीकॉप्टर भेजा गया। हालात की गंभीरता को देखते हुए नागरिक प्रशासन की सहायता के लिए एमआई-17 वी5 मीडियम लिफ्ट हेलीकॉप्टर तैनात किए गए। कसौली के सोलन जिले स्थित कसौली बीट क्षेत्र में लगी आग ने लगभग 10 हेक्टेयर वन क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया था।

ट्रंप के दावे पर ईरान का पलटवार

होर्मुज जलडमरूमध्य पर प्रतिबंध अब भी बरकरार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर लगाए गए नौसैनिक प्रतिबंध हटाने के दावे के बावजूद ईरानी जहाजों को अभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। ईरानी नौसैनिक अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिबंध अभी भी लागू हैं और अमेरिकी केंद्रीय कमान की ओर से जहाजों को क्षेत्र में प्रवेश न करने की चेतावनी दी जाती रहती है। ट्रंप ने शुक्रवार को टुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा था कि अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी अब हटा ली जाएगी। इसी पोस्ट में उन्होंने ईरान के साथ संभावित समझौते की शर्तें भी रखीं। उन्होंने कहा कि तेहरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने पर सहमत होना होगा। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, ट्रम्प ने यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत खोल दिया जाना चाहिए, ताकि दोनों दिशाओं में बिना किसी प्रतिबंध के जहाजरानी हो सके और सभी समुद्री बारूदी सुरंगें हटा दी जाएं।

भुज में शाह की उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक

सीमा सुरक्षा और घुसपैठ रोकने दिया बड़ा प्लान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सीमावर्ती क्षेत्रों में जीरो टॉलरेंस की नीति

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात के भुज में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े सुरक्षा मुद्दों की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में गुजरात के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, डीजीपी सहित राज्य सरकार और सीमावर्ती जिलों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान सीमा सुरक्षा, घुसपैठ, तस्करी, आर्थिक अपराध और तटीय सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। अमित शाह ने कहा कि बॉर्डर फेंसिंग, समुद्री सीमा सुरक्षा और राज्य सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के कारण गुजरात के सुरक्षा परिदृश्य में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि राज्य में घुसपैठ और सीमा पार तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा से 0 से 15 किलोमीटर के दायरे में किसी भी अनधिकृत अतिक्रमण को जीरो टॉलरेंस नीति के तहत समाप्त किया जाए। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में कट्टरपंथी गतिविधियों के संभावित केंद्रों पर भी लगातार निगरानी रखने की आवश्यकता बताई। अमित शाह ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में जिला मजिस्ट्रेट नियमित रूप से जनसांख्यिकी परिवर्तनों की निगरानी करें और इसकी रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों के कारण हो रहे रिवर्स माइग्रेशन को सकारात्मक संकेत बताया। बैठक में गृह मंत्री ने कहा कि पहले से बसे अवैध घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें वापस भेजने के लिए प्रशासन के सभी स्तरों को मिलकर कार्य करना चाहिए।

बातचीत से मसला सुलझाने का भरोसा दिया

नेपाल ने भी भारत की जमीन पर कब्जा किया लिपुलेख पर ब्रिटेन मध्यस्थ बने: बालेन शाह

यह विवाद 1816 की सुगौली संधि पर है आधारित

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र(बालेन) शाह ने भारत से लगी सीमा को लेकर देश की संसद में एक विवादित बयान दिया है। श्रम संस्कृति पार्टी के सांसद आरेन राय के सवाल का जवाब देते हुए पीएम शाह ने कहा, प्रधानमंत्री बनने के बाद मुझे पता चला कि न केवल भारत ने नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई जगहों पर भारत की भूमि पर कब्जा किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस संवेदनशील मामले पर दोनों पक्षों को एक साथ बैठकर विचार करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री शाह ने संसद को आश्वस्त किया कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी के सीमा विवाद को कूटनीतिक बातचीत के जरिए सुलझाया जाएगा। उन्होंने बताया कि नेपाल इस संबंध में भारत को आधिकारिक कूटनीतिक नोट भेज चुका है, जिसके जवाब में भारत ने दोनों देशों के इतिहासकारों, सर्वेक्षकों और विशेषज्ञों की टीमें बनाकर समाधान तलाशने की बात कही है।

क्या है विवाद?

भारत और नेपाल के बीच यह विवाद 1816 की सुगौली संधि पर आधारित है। नेपाल का दावा है कि महाकाली नदी को सीमा मानकर ये क्षेत्र उसके भू-भाग में आते हैं। वहीं, भारत का रुख स्पष्ट है कि ये इलाके उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का अभिन्न हिस्सा हैं, जहाँ 1950 के दशक से भारतीय सीमा चौकी मौजूद है।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग को पूरा करना प्राथमिकता

2025-26 में अडाणी समूह की कंपनियों का संयुक्त राजस्व 2.92 लाख करोड़ रुपए रहा

अडाणी बोले- पीछे छूट चुके अमेरिका में कानूनी मामले अब विकास के अगले चरण को गति देने पर है फोकस

समूह का कर पश्चात लाभ 13.9 प्रतिशत बढ़कर 46,377 करोड़ रुपए पर पहुंच गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अरबपति उद्योगपति और अडाणी ग्रुप के संस्थापक और अध्यक्ष गौतम अडाणी ने कहा कि अमेरिका में अडाणी समूह से जुड़े कानूनी मामलों का अध्याय अब पीछे छूट चुका है। समूह अब अपनी अगली विकास यात्रा पर पूरी मजबूती के साथ फोकस कर रहा है। उन्होंने कहा कि अडाणी समूह अब ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में निवेश को तेज करने पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि समूह के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती पूंजी जुटाना नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती बुनियादी ढांचा और ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए परियोजनाओं को तेजी से लागू करना है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के विस्तार के साथ बिजली की खपत बढ़ाने वाले डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन ने समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी इंटरप्राइजेज के 24,930 करोड़ रुपए के राइट्स इश्यू को निवेशकों के भरोसे का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह उस समय हुआ जब समूह को कॉरपोरेट गवर्नेंस और नियामकीय मुद्दों को लेकर सवालों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने कहा, यह ऐसा वर्ष था, जब दुनिया और अधिक विभाजित और जटिल होती जा रही थी।

न हम झुके न हम रुके

गौतम अडाणी ने कहा कि यह प्रगति आसान परिस्थितियों में नहीं हुई। बंदरगाह से लेकर ऊर्जा क्षेत्र तक फैले समूह को असाधारण जांच-पड़ताल और चुनौतियों का सामना करना पड़ा। लेकिन हम झुके नहीं और न ही रुके। उन्होंने आगे कहा, हमारी पहचान हमारे आसपास के शोर से नहीं, बल्कि हमारी प्रतिक्रिया की ताकत से होती है। हमारी पहचान चुनौतियों की तीव्रता से नहीं, बल्कि हमारे उद्देश्य की स्पष्टता से होती है। आलोचनाओं से नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के उस विश्वास से होती है, जिस पर हम लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका में चल रहे कानूनी मामलों से जुड़ी बातें अब पीछे छूट चुकी हैं। इससे हमें नए आत्मविश्वास और विश्वास के साथ अपनी अगली विकास यात्रा पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिला है। उन्होंने समूह की रणनीति को दो प्रमुख विकास स्तंभों इंफ्रास्ट्रक्चर और इंटेलिजेंस पर आधारित बताया। उनका कहना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तेजी से बढ़ते उपयोग के कारण बिजली उत्पादन, ट्रांसमिशन नेटवर्क, डाटा केंद्र और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, एआई के सोचने से पहले ऊर्जा का प्रवाह होना जरूरी है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com